

बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्ष: 7 , अंक: 241 , बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ:8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com



लजरी कार के तहखाने से 58.93 किलो गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार...

03



पताही प्रखंड-अंचल कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, पीएम आवास योजना...

04

नेहा धूपिया के शुरूआती दिन...

07

चतुर्थ दिन

माँ कूष्मांडा

माँ कूष्मांडा को सृष्टि की आदिशक्ति माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, उन्होंने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की। अष्टभुजा देवी सिंह पर विराजमान रहती हैं। इनकी पूजा से आरोग्य, ऊर्जा, समृद्धि और उत्साह प्राप्त होने की मान्यता है। भक्त जीवन में खुशहाली के लिए इनका आशीर्वाद मांगते हैं।

राहुल गांधी के घर ‘चाय’ पर जुटे गठबंधन के नेता

सीईसी के खिलाफ आंदोलन की रणनीति पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर इंडी गठबंधन के नेताओं, छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी के सदस्यों के लिए चाय का आयोजन किया। इस दौरान विपक्ष के नेताओं ने कहा, सीईसी ज्ञानेश कुमार ने लोकतंत्र को कुचलने का काम किया है। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग



के साथ ही सरकार पर हमला करते हुए कहा, प्रदर्शन एक मिशन के साथ जारी है। हम सभी लोकतंत्र को मचाने के मिशन में लगे हैं। आम आदमी के अधिकार छीने जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और ज्ञानेश कुमार लोकतंत्र को तबाह कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा, हम जंतर-मंतर के लिए संघर्ष करेंगे।

यह पूरे देश से जुड़ा मुद्दा, हम सब साथ

राहुल गांधी के आवास पर चाय पर बैठक में शामिल होने पहुंची समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने कहा- यह पूरे देश से जुड़ा मुद्दा है। हम सभी, चाहे सपा हो या आम आदमी पार्टी, एक ही सत्तावादी सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसलिए हम सब एक साथ हैं। राहुल गांधी के आवास पर चाय पर बैठक में पहुंची कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा- राहुल के साथ किसी भी चीज के लिए तैयार रहना चाहिए। आगे क्या होगा, मुझे नहीं पता। लेकिन राहुल कब मार्च निकालने का फैसला कर लें, यह कहा नहीं जा सकता। दिल्ली में मंगलवार को भी कांग्रेस कार्यकर्ता एसआईआर और चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

एसआईआर के खिलाफ विपक्ष की याचिका में मिलीं 14 खामियां

● सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने बताया-कोर्ट फीस 220 रुपए कम दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत 11 विपक्षी नेताओं की ओर से दायर एसआईआर याचिका में करीब 14 खामियां बताई हैं। यह याचिका एसआईआर में बड़े पैमाने पर नाम हटाने और गड़बड़ियों के आरोपों से जुड़ी है। इन खामियों के कारण मंगलवार को याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, रजिस्ट्री ने याचिका के साथ जमा किए गए दस्तावेजों में भी खामियां

बताईं। कुछ पत्रे पढ़ने लायक नहीं हैं, जबकि कुछ पत्रे गायब हैं। इसके अलावा, कोर्ट फीस भी 220 रुपए कम जमा की गई है। रजिस्ट्री ने कुल 14 खामियां दर्ज की हैं। रजिस्ट्री ने कहा है कि याचिका दाखिल करने वाले वकील से कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के पहचान पत्र की साफ कॉपी मांगी है। इसके अलावा, 9 याचिकाकर्ताओं से याचिका दायर करने के लिए लिखित सहमति भी मांगी है।



संक्षिप्त समाचार

चीन ने लद्दाख की 28 जगहों को अपना बताया

बीजिंग/नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने लद्दाख की 28 जगहों के नाम तय करने के भारत के फैसले पर आपत्ति जताई है। चीन ने मंगलवार को कहा कि ये इलाके उसके हैं और भारत के नाम बदलने या रखने से जमीन पर मालिकाना हक नहीं बदलेगा। भारत ने 2 अक्टूबर को इन जगहों के नाम



आधिकारिक तौर पर तय किए थे। इनमें गोगरा और हॉट स्प्रिंग जैसे इलाके भी शामिल हैं, जहां 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच तनाव हुआ था। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मंगलवार को कहा कि चीन लद्दाख को भारत की ओर से बनाया गया केंद्र शासित प्रदेश नहीं मानता। चीन ने भारत के इस कदम को गैरकानूनी बताते हुए कहा कि सीमा के पश्चिमी हिस्से के ये इलाके उसके हैं। माओ के मुताबिक, भारत पश्चिमी हिस्से में तनाव पैदा कर रहा है।

राहुल के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई रुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि केस की सुनवाई पर रोक लगा दी। यह केस 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयानों से जुड़ा है। मामला महाराष्ट्र की ट्रायल कोर्ट में चल रहा था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की बेंच ने महाराष्ट्र सरकार और शिकायतकर्ता एमएच श्रीशैल को नोटिस जारी किया है। राहुल

गांधी के खिलाफ देशभर में दर्ज अपराधिक मानहानि के मामलों की कुल संख्या 16 है। इसमें से 15 मामले उन्होंने अपने 2024 के लोकसभा चुनावी हलफनामे में घोषित किए हैं, और 1 मामला पुणे में सावरकर परिवार द्वारा दायर किया गया है। राहुल गांधी ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 8 सितंबर के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनके खिलाफ जारी समन रद्द करने से इनकार किया था। राहुल गांधी की ओर से वकील अभिषेक सिंघवी पेश हुए।

भारत ‘देशों’ को जोड़ने में विश्वास रखता है

● पीएम बोले-भारत ने दुनिया को सस्ती दवाई और टैलेट दिया, बदले में भारत ने क्रेडिट व रॉयल्टी भी नहीं ली ● देश पहली बार बना ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम का मेजबान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सस्ती दवाओं से लेकर प्रतिभा तक, दुनिया भारत पर भरोसा करती है। भारत ने दुनिया को शून्य दिया, लेकिन कभी इसका श्रेय या रॉयल्टी नहीं मांगी। दिल्ली में पहली बार हो रहे ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में मोदी ने 25 मिनट स्पीच दी। कहा कि भारत को ताकत दूसरों को सक्षम बनाने में है। उन्होंने डिजिटल तकनीक, वैक्सीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से निपटने में भारत की भूमिका का जिक्र किया। तीन दिन का यह कार्यक्रम 15 अक्टूबर को खत्म होगा। इस साल फोरम की थीम ‘बदलती दुनिया में ताकत के नए स्रोत तय करना’ है।

● पीएम बोले- अवसर पैदा करें, देशों को जोड़े- ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व इस बात में है कि उनका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाता है। भारत दूसरों के लिए अवसर पैदा करने और देशों को जोड़ने में विश्वास रखता है। कोविड के दौरान भारत ने 100 से ज्यादा देशों में वैक्सीन पहुंचाई। भारत अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल पूरी मानवता के फायदे के लिए करना चाहता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ सफाई चैन, ऊर्जा, खनिज और तकनीक भी देशों के बीच दबाव बनाने



के साधन बन रहे हैं। दुनिया को भरोसेमंद साझेदारों की जरूरत है। सरकार का उद्देश्य लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करना है। उन्होंने दावा किया कि पिछले एक दशक में भारत ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। स्टार्टअप के मौके छोटे शहरों तक पहुंचे हैं। आर्थिक सुधारों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत की विकास दर 7.8 फीसदी रही और विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ज्यादा है। कारोबार को आसान बनाना और सुधार करना सरकार की प्रतिबद्धता है। 2014 के बाद मोबाइल डेटा सस्ता हुआ है। इससे छोटे शहरों और कस्बों के छात्रों को मदद मिलेगी।

सरकार का उद्देश्य नागरिकों को निर्भर बनाना नहीं

मोदी ने कहा- सरकार के पास अधिकार है, लेकिन उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को व्यवस्था पर निर्भर बनाना नहीं होना चाहिए। बल्कि, उसका उद्देश्य अपने नागरिकों को सशक्त और सशक्त बनाना होना चाहिए, और भारत इसी राह पर चल रहा है। पीएम बोले- भारत की 7.8 फीसदी ग्रोथ रही है। आज हमारा फॉरेन रिजर्व 700 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। भारत का कॉन्फिडेंस ऊंचाई पर है। हमने इन्सॉल्वेंसी लॉ बनाया है। बिजनेस से जुड़ी छोटी-मोटी गलतियों को डिस्टेबलाइज किया है। रिफॉर्म हमारा कन्विशन है। पीएम ने कहा- इतिहास में अनेक वैश्विक संगठन बने। उनके अपने-अपने हित रहे हैं। हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस, लाइफस्टाइल फॉर एन्वायरनमेंट जैसे इनीशिएटिव लिए। भारत किन विचारों को लेकर सामने आया, ये सबके सामने है। भारत जोड़ने और जुड़ने पर बल देता है। पावर दूसरों को एम्पावर करने के लिए ही है। भारत रिलायबिलिटी और स्टैबिलिटी की बात करता है। पीएम मोदी ने कहा- जब दुनिया को अफोर्डेबल मेडिसिन की जरूरत होती है, तब यह भारत से आती है। जब दुनिया को टैलेंट की जरूरत होती है, तब भारत के युवाओं पर भरोसा होता है। ये स्पष्ट है कि दुनिया को एक स्टीडी पिलर की जरूरत होती है, तब भारत अपना दायित्व समझते हुए हाथ आगे बढ़ाता है।

ओवैसी का समाजवादी पार्टी के सबसे मजबूत गढ़ पर अटैक

लखनऊ/आजमगढ़ (एजेंसी)। हैदराबाद के सांसद और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने नौ दिनों तक इंतजार किया और फिर समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सपा ने यूपी



विधानसभा चुनावों में तालमेल के उनके खुले ऑफर को दुकराया तो ओवैसी ने भी जैसे अबकी बार उनकी चुनावी जुड़े ही उखाड़ने की

मुस्लिम नेतृत्व की बात कहकर सपा को चुनौती आजमगढ़ में जाकर ओवैसी का यह कहना कि मुसलमान अब नेता बनने की तैयारी करें, क्योंकि उन्होंने जिन दलों के लिए सौदियां लगाईं, उन्होंने कभी भी उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया। इसके लिए उनके निशाने पर सपा ही नहीं, बसपा और कांग्रेस है। असदुद्दीन ओवैसी का आरोप है कि यूपी के मुसलमानों ने मुलायम सिंह यादव और उनके बेटे अखिलेश यादव की खिदमत में पीढ़ियां लगा दीं, लेकिन उन्होंने किसी मुसलमान को प्रमुख नेता बनने का मौका नहीं दिया। उनका आरोप है कि सिर्फ मुसलमान ही नहीं, यहां का प्रतिनिधित्व करते हुए मुख्यमंत्री रह कर भी मुलायम ने क्षेत्र की भी उतनी ही उपेक्षा की।

गजब है बिहार, पुलिस वैन की चाबी लेकर भाग गया छात्र

● हिरासत में लेने आई वैन के साथ ही कर दिया ‘खेला’, दूसरी बस बुलानी पड़ी

पटना (एजेंसी)। बिहार पुलिस ने पटना में प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों को हिरासत में लिया। लेकिन छात्रों को ले जाने के लिए लाई गई वैन की चाबी ही गायब हो गई। बताया गया कि मौके का फायदा उठाते हुए एक छात्र पुलिस वैन की चाबी लेकर भाग गया, जिसके बाद दूसरी बस बुलाई गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को पीछे धकेलकर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने की भी जानकारी सामने आई है। इस दौरान पुलिस छात्रों को



खींचकर ले गईं। वहीं, डाकबंगला चौराहे पर लगी बैरिकेडिंग को तोड़कर प्रदर्शनकारियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, जिसके कारण छात्रों और पुलिस के बीच नोकझोंक भी हुई। इस दौरान वैन

चालक की ओर से मीडियाकर्मियों से दुर्व्यवहार भी किया गया। लड़की ने देश के फ्रीडम फाइटर को किया नमन-प्रदर्शन में शामिल होने पहुंची छात्र अंजली ने कहा कि संविधान से

एक व्यक्ति-एक वोट का जो अधिकार मिला है, वो बरकरार रहना चाहिए। लेकिन ये सरकार इस अधिकार को छीनना चाहती है। सरकार नहीं चाहती कि यहां लोकतंत्र बरकरार रहे। वो वो भारत को जर्मनी और नॉर्थ कोरिया जैसा बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि फ्रीडम फाइटर अपनी कुर्बानी देकर देश को आजाद कराया, अब वो लोग इसे दोबारा गुलाम नहीं बनने देंगे। छात्रों-युवाओं का फर्ज बनता है कि सभी भारत को डिक्टेटरशिप मुक्त करें। अंजली ने एक कविता के माध्यम से जानकारी दी।

पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा, 6 लोगों की मौत 40 घायल, एक्सप्रेस ट्रेन के 14 डिब्बे पटरी से उतरे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के मुल्तान में मंगलवार को बड़ा रेल हादसा हुआ है। ये हादसा तब हुआ, जब रहमान बाबा एक्सप्रेस पटरी से उतर गई। इस घटना में अब तक छह लोगों की मौत की पुष्टि स्थानीय प्रशासन ने की है। वहीं 40 से ज्यादा लोग इस एक्सीडेंट में घायल हुए हैं। मुल्तान पुलिस ने बताया कि मंगलवार तड़के करीब 5 बजे शेर शाह ब्रिज के पास ट्रेन के सभी 14 कोच पटरी से उतर गए। इससे ट्रेन में चौख-पुकार मच गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पटरी से उतरने का कारणों का पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों की जांच की बात कही है। पुलिस की शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ट्रेन कराची से पेशावर जा रही थी। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने घटना का संज्ञान लिया और दुर्घटना में घायल यात्रियों के प्रति चिंता व्यक्त की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बचाव कार्यों में तेजी लाने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को बिना किसी देरी के बेहतर से बेहतर इलाज मिले।



संक्षिप्त

समाचार

घायलों से मिलने सदर अस्पताल पहुंचे केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, रोड एक्सीडेंट में 2 की हुई थी मौत, कई घायल हाजीपुर। वैशाली। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय मंगलवार को हाजीपुर सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पातेपुर में हुए सड़क हादसे में घायल लोगों से मुलाकात कर उनका हाल जाना। साथ ही अस्पताल के सखिल सर्जन और अन्य डॉक्टरों को घायलों का बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। दरअसल, केंद्रीय मंत्री के संसदीय क्षेत्र उजियारपुर के पातेपुर विधानसभा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में कई लोग घायल हो गए थे, जबकि दो लोगों की मौत हो गई। मंत्री ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की और इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। नित्यानंद राय ने कहा कि उनके लोकसभा क्षेत्र के पातेपुर विधानसभा के कुछ लोग सड़क दुर्घटना में घायल हुए हैं। हादसे में दो लोगों की मौत भी हुई है। उन्होंने मृतकों के परिजनों से मिलकर दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि घायलों का इलाज हाजीपुर सदर अस्पताल में चल रहा है। उनके बेहतर उपचार के लिए डॉक्टरों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वे अपने विधानसभा और संसदीय क्षेत्र के लोगों के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। लोगों की परेशानी में उनके साथ खड़ा होना उनकी जिम्मेवारी है। सड़क हादसे में 25 वर्षीय अमरजीत माथी, और 40 वर्षीय लक्ष्मण राय शामिल है।

वैशाली में नशे के अवैध कारोबार पर कार्रवाई, 989 नशीली वायल्स, 8 मोबाइल और 39,900 रुपए बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। जिलाधिकारी वर्षा सिंह के नेतृत्व में आधी रात को हुई छापेमारी में 989 नशीली वायल्स मिलीं। मौके से मुख्य आरोपी मिथिलेश राय को गिरफ्तार किया गया। मिली वायल्स में ट्रामाडोल और बुप्रेनॉर्फिन जैसे प्रतिबंधित तत्व पाए गए। मौके से 40 सिरिज, 50 हैंड ग्लव्स, 8 मोबाइल फोन और 39,900 रुपए नकद भी जब्त किए गए। सिरिज मिलने से अवैध इस्तेमाल या वितरण की आशंका है। छापेमारी में सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार, एसडीओ विशाल कुमार, ड्रग इंस्पेक्टर और पुलिस टीम मौजूद थी। आरोपी मिथिलेश राय के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया जा रहा है। प्रशासन अब यह पता लगा रहा है कि दवाएं कहाँ से आई और इसमें कौन-कौन शामिल है। डीएम वर्षा सिंह ने कहा कि जिले में नशे का अवैध कारोबार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान कर कार्रवाई करेगा।

कंठनपुर चौक से 14 चक्का ट्रक चोरी

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर चौक से एक 14 चक्का ट्रक चोरी हो गया। ट्रक के चालक के बयान और जीपीएस लोकेशन में अंतर मिलने से पुलिस की जांच उद्विग्न गई है। ट्रक मालिक ने चालक और क्लीनर की भूमिका पर संदेह जताया है। पुलिस संभावित रास्तों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। चालक रणधीर कुमार ने पुलिस को बताया कि 9 अक्टूबर की शाम महनार में बालू उतारने के बाद उसने ट्रक (BR 52G-5239) कंठनपुर चौक पर खड़ा किया था। इसके बाद वह अपने मौसा के घर खाना खाने चला गया। सुबह लौटने पर ट्रक वहां नहीं मिला। ट्रक मालिक उत्तम कुमार के अनुसार, चालक ने पहले टायर फटने की जानकारी दी थी। उस समय जीपीएस में ट्रक की लोकेशन महनार दिख रही थी। 10 अक्टूबर की सुबह ट्रक चोरी होने की जानकारी मिलने पर उसकी लोकेशन सहरसा में मिली। यह जगह घटनास्थल से करीब 140 किलोमीटर दूर है। ट्रक मालिक उत्तम कुमार चेन्नई में ट्रक चलाकर उसकी किस्तें चुका रहे हैं। वह पिछले दो साल से घर नहीं लौटे हैं। क्लीनर के भी गायब होने से संदेह गहरा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक की आवाजाही के संभावित रास्तों के सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल में जुटी है।

हाजीपुर में मोबाइल चुराकर भाग रहा युवक पकड़ा गया, लोगों ने 400 मीटर पीछा कर दबोचा

हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र स्थित कोनहारा घाट पर सोमवार शाम मोबाइल चोरी कर भाग रहे एक युवक को लोगों ने पकड़ लिया। करीब 400 मीटर पीछा करने के बाद लोगों ने उसे पकड़ा और पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए युवक की पहचान मीनापुर गांव निवासी शुक्रदेव राय के बेटे छोटू कुमार के रूप में हुई है। घटना सोमवार शाम करीब साढ़े चार बजे की है। एक व्यक्ति अंतिम संस्कार के बाद कोनहारा घाट पर नहाने आया था। उसने अपना मोबाइल और कपड़े किनारे रख दिए थे। इसी दौरान एक युवक मोबाइल लेकर भागने लगा। नहा रहे व्यक्ति और वहां मौजूद लोगों ने उसे देख लिया और पीछा कर करीब 400 मीटर दूर पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक को भीड़ से बचाकर हिरासत में लिया और इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय दुकानदारों के मुताबिक, अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों का फायदा उठाकर चोर घाट पर मोबाइल चोरी करते हैं। पिछले एक महीने में यहां मोबाइल चोरी की करीब एक दर्जन घटनाएं हो चुकी हैं।

लापता होने के बाद भागलपुर में रुकी थी युवती, पटना आने के अगले दिन मिली लाश, 4 दिन पहले मिले थे 2 शव

पटना। पटना में 9 अक्टूबर को युवती और युवक की लाश मिली थी। पुलिस को युवती की ट्रेवल हिस्ट्री के बारे में पता चला है, जबकि युवक की पहचान अटकत नहीं हुई है। थानेदार संजीव सिंह के अनुसार जांच में पता चला है कि 5 अक्टूबर को लापता होने के बाद युवती सबसे पहले दीघा पहुंची थी। इसके बाद वो भागलपुर गई और वहां करीब 2 दिन रुकी। 8 अक्टूबर को वो वापस पटना आई थी। अगले दिन 9 अक्टूबर को उसकी लाश कुम्हार रेलवे ट्रैक पर मिली। पुलिस के अनुसार युवती जिस सिम कार्ड का इस्तेमाल कर रही थी, वह लापता होने के बाद पटना में बंद हुआ था। तकनीकी जांच के आधार पर लोकेशन और ट्रेवल हिस्ट्री की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बैंक से भी युवती के खाते की जानकारी मांगी है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। जांच में वह भी सामने आया है कि युवती एक गेमिंग ऐप पर सक्रिय थी। पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

शुरुआत में परिजनों को लगा था कि युवती ने पिता के खाते से 80 हजार रुपए निकाले हैं। हालांकि, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने बैंक से खाते की डिटेल मांगी है और फिलहाल बैंक रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। बैंक डिटेल्स मिलने के बाद ही सफाई हो सकेगा कि खाते से कितनी राशि निकाली गई थी और कैसे किसने निकाले। मनोज कुमार मृतका के चचेरे भाई ने बताया था कि, फॉर्म भरने के लिए घर से NIT आई थी। उसके बाद गुमशुदा हो गई। दोस्त राय से पता करने पर भी कुछ नहीं पता चला। परिजन थाने की लापरवाही इसमें मान रहे हैं। भाई का कहना है कि आखिरी 3 दिन लड़की कहां रही। इसका पता क्यों नहीं लगाया गया। भाई ने यह भी बताया कि ऑनलाइन काफी एक्टिव थी। गुमशुदा होने के बाद दुबई से भी एक कॉल आया था। जिसमें समाने वाले ने कहा कि दुबई से बोल रहा हूँ। 10000 रुपए शेली लोन ले है। भोजिए नहीं तो लीनल एक्सल लिया जाएगा। पिता संजीव कुमार प्रजापति महावीर आरोग्य संस्थान में कर्मचारी है। उनका कहना है कि बेटी की हत्या हुई है। माकर रेलवे ट्रैक पर फेंका गया है। तीन बच्चों में बेटी सबसे बड़ी थी। थाने की लापरवाही है, जो मेरी बेटी को खोज नहीं पाई।



पटना में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन, छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ी

एजेंसी, पटना	
<p>SIR और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग लेकर मंगलवार को पटना में छात्रों ने 3 घंटे तक प्रदर्शन किया। करीब 11 बजे छात्र लोकभवन मार्च के लिए गांधी मैदान से निकले। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग की, जिसे छात्रों ने तोड़ दिया। पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में लिया। इन छात्रों को जिस वैन से लेकर जाना था, एक स्टूडेंट उस गाड़ी की चाबी लेकर भाग गया। इसके बाद दूसरी बस बुलाई गई। पुलिस छात्राओं को खींचकर ले गई। डाकबंगला चौराहे पर लगी एक बैरिकेडिंग भी छात्र लेकर भाग गए।</p> <p>छात्र अपने साथ तरह-तरह के पोस्टर लेकर आए हैं। एक पोस्टर पर लिखा है- 'टियर गैस</p>	<p>का व्यवस्था नहीं है?' किसी पर लिखा- 'तोहर कुर्सी उड़ा देब प्रोटेस्ट से।' वहीं, एक पोस्टर पर लिखा- 'समोसा जापणा तेल में, ज्ञानू को भेजो जेल में।' छात्रों को पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। प्रदर्शन में शामिल छात्र वहीं जमीन पर बैठकर केन्द्र सरकार और मुख्य</p>

बालू लदा ट्रक ऑटो पर पलटा, ड्राइवर समेत 2 मौत

एजेंसी, पटना	
<p>पटना के जानीपुर में मंगलपुर की सुबह मंगुपुर-नौबतपुर रोड पर सड़क हादसा हो गया। बालू लदा ट्रक ऑटो पर पलट गया। जिसके बाद ऑटो नहर में गिर गया। हादसे में ऑटो ड्राइवर और एक 15 साल की नाबालिग की मौत हो गई है।</p> <p>पुलिस ने जेसीबी से ऑटो को नहर से निकाला। मृतकों में ऑटो चालक विजय सिंह (70) और स्वाति कुमारी (15) शामिल है। विजय सिंह के दामाद अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि वे स्वाति के साथ पटना आ रहे थे। स्वाति की मां खुशबू कुमारी ने बताया कि उनकी बेटी ब्यूटीशियन का कोर्स सीखने जा रही थी और रास्ते में हादसे का शिकार हो गई। जानीपुर थानाध्यक्ष सागर कुमार ने बताया कि दुर्घटना में दोनों की मौत हो गई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए पटना एम्स भेजा गया। पुलिस ने ऑटो और ट्रक को नहर से बाहर निकलवाया है। पूरे मामले</p>	<p>में क्लोजर रिपोर्ट सबमिट की गई है। कोर्ट ने कई बिंदुओं पर नाराजगी जाहिर की है। SIT चीफ सचिवालय एसडीपीओ डॉक्टर अनु कुमारी को जमकर फटकार लगाई। अब इस मामले में अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी। पटना हाईकोर्ट के वकील राजेश कुमार शर्मा के अनुसार, सीबीआई ने जल्दबाजी में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। कोर्ट ने जांच के कई बिंदुओं पर नाराजगी जताई। खासकर सीसीटीवी फुटेज और दूसरे तकनीकी सबूत जुटाने में हुई लापरवाही को लेकर एसआईटी प्रमुख से सवाल पूछे गए। हालांकि, उनकी ओर से दिए गए जवाब से कोर्ट संतुष्ट नहीं हुआ।</p> <p>‘कोर्ट ने जांच के तरीके पर भी सवाल उठाए’: पटना हाईकोर्ट वकील राजेश कुमार शर्मा ने कहा कि सीबीआई की ओर से हड़बड़ी</p>

17 से 20 अक्टूबर तक बदला रहेगा ट्रैफिक, गांधी मैदान सहित कई इलाकों में नो-पार्किंग जोन घोषित

एजेंसी, पटना	
<p>दुर्गापूजा (दशहरा)-2026 के अवसर पर पटना शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। व्यवस्था 17 अक्टूबर 2026 को दोपहर 3 बजे से 20 अक्टूबर 2026 को रात 10 बजे तक या यातायात सामान्य होने तक लागू रहेगी। एंबुलेंस, आपातकालीन वाहन, राव वाहन और पासधारक वाहनों को प्रतिबंध से छूट रहेगी।</p> <p>बेली रोड, राजाबाजार फ्लाईओवर के नीचे और आसपास की व्यवस्था, सगुना मोड़ से पटना एयरपोर्ट जाने वाले रहन रुकनपुरा, राजाबाजार ओवरब्रिज के नीचे, जगदेव पथ और बीएमपी होते हुए जा सकेंगे। सगुना मोड़ से हड़ताली मोड़ और आयकर गोलंबर जाने वाले वाहन: रुकनपुरा से राजाबाजार फ्लाईओवर के ऊपर से जा सकेंगे।</p>	<p>सगुना मोड़ से दीघा, राजीव नगर और पाटलिपुत्र जाने वाले वाहन: आशियाना मोड़ से बाएं मुड़कर आशियाना-दीघा रोड से जा सकेंगे।</p> <p>राजीव नगर और दीघा से हड़ताली चौक जाने वाले वाहन: आशियाना-दीघा रोड से राजीव नगर नाला के किनारे वाली सड़क, केशरी नगर, राजीव नगर आरओबी के नीचे से अटल पथ होते हुए जा सकेंगे।</p>

रामगंज में दो हाइवा ट्रकों की जोरदार टक्कर

एजेंसी, पटना	
<p>पटना जिले के गौरीचक थाना क्षेत्र के रामगंज में मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 2:15 बजे गया-पटना मार्ग पर दो हाइवा ट्रकों की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक हाइवा ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, इससे उत्पन्न आग और उपचालक बाल-बाल बच गए, उन्हें हल्की चोटें आई हैं।</p> <p>जानकारी के अनुसार, दोनों हाइवा गया से पटना की ओर जा रहे थे। आगे चल रहे एक हाइवा चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इससे पीछे आ रहा दूसरा हाइवा अनियंत्रित होकर उससे टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि एक ट्रक को काफी नुकसान हुआ।</p> <p>पुलिस ने घायलों का प्राथमिक उपचार कराया: घटना की सूचना मिलते ही गौरीचक</p>	<p>थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने गश्ती दल को मौके पर भेजा। पीएसआई मनीष कुमार अपनी टीम के साथ पहुंचे और फंसे हुए चालक-उपचालक को बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिलाया। पुलिस ने सड़क से वाहनों को हटाने के लिए फ्रेन बुलाई है और यातायात सामान्य करने का प्रयास कर रही है।</p>

नीट छात्रा मौत केस में 6 नवंबर को सुनवाई

एजेंसी, पटना	
<p>नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर मंगलवार को पाँक्सो कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जांच में लापरवाही को लेकर सीबीआई के केस आईओ और पटना पुलिस की जांच अधिकारी व एसआईटी प्रमुख सचिवालय एसडीपीओ डॉ. अनु कुमारी को जमकर फटकार लगाई। अब इस मामले में अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी। पटना हाईकोर्ट के वकील राजेश कुमार शर्मा के अनुसार, सीबीआई ने जल्दबाजी में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। कोर्ट ने जांच के कई बिंदुओं पर नाराजगी जताई। खासकर सीसीटीवी फुटेज और दूसरे टैक्निकल एविडेंस कलेक्ट करने में जो लापरवाही बरती गई है, उसे लेकर सवाल जवाब किए, लेकिन संतोष जनक जवाब नहीं दिया गया। जो भी आरोप लगाए हैं, उस पर जांच नहीं हुई है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जांच के तरीके पर भी सवाल उठाए। कोर्ट की ओर से कहा गया कि</p>	<p>अनुसंधान सही दिशा में नहीं किया गया। मामले में लगाए गए आरोपों की ठीक से जांच नहीं हुई। आत्महत्या का तर्क भी तथ्यों के आधार पर स्पष्ट नहीं है।</p> <p>‘सीबीआई ने सबूत न होने की कही बात’: सीबीआई ने अपनी क्लोजर रिपोर्ट में कहा है कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाने लायक पर्याप्त सबूत नहीं मिले हैं। इसी आधार पर मामले को बंद करने की रिपोर्ट दी गई है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान एसआईटी प्रमुख डॉ. अनु कुमारी कोर्ट में मौजूद रहें। क्लोजर रिपोर्ट पर कोर्ट की नाराजगी के बाद अब सभी की नजरें 6 नवंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी हैं।</p> <p>क्या है NEET छात्रा रेप-मौत</p>

पटना में लूट की साजिश करते 5 बदमाश गिरफ्तार, पिस्टल बरामद

एजेंसी, पटना	
<p>कदमकुआं थाना क्षेत्र में लूट की योजना बना रहे पांच बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने एक पिस्टल भी बरामद की है। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि इलाके में कुछ बदमाश लूट की घटना को अंजाम देने की फि्त्राक में हैं। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार, एसटीएफ को सूचना मिली थी कि कदमकुआं थाना क्षेत्र में कुछ अपराधी इकट्ठा हुए हैं। वे किसी बड़ी लूट की घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। बदमाश कभी भी वास्तदत कर सकते हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम सर्तक हो गई और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने लगी।</p> <p>इसी सूचना के आधार पर सोमवार की रात इलाके में छापेमारी की गई। इस दौरान पुलिस ने पांचों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।</p>	<p>उनकी निशानदेही पर पुलिस ने एक पिस्टल भी बरामद की है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरफ्तार बदमाश किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे या नहीं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के आधार पर उनके अपराधिक रिकॉर्ड, साथियों और नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उनके गिराह में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस मामले में पटना के सेंट्रल एसपी की ओर से जल्द खुलासा किए जाने की संभावना है।</p>

बिहार में ट्रैफिक नियम तोड़े तो कटेगा चालाना

एजेंसी, पटना	
<p>बिहार में सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए परिवहन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। राज्यभर में 20 अक्टूबर तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत हेलमेट और सीटबेल्ट नहीं लगाने, नाबालिगों के वाहन चलाने और यातायात के अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पिछले 10 दिनों में ही परिवहन विभाग की प्रवर्तन टीमों ने विभिन्न जिलों में 16 हजार से अधिक ई-चालान जारी किए हैं। इन मामलों में करीब 15.5 करोड़ रुपये की जुर्माना राशि निर्धारित की गई है।</p> <p>परिवहन सचिव राज कुमार के निर्देश पर सभी जिलों में अभियान तेज कर दिया गया है। आज राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अभियान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को जांच अभियान तेज करने, निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्रवाई करने और प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान में लापरवाही बरतने और खराब संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार</p>	<p>प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। विशेष अभियान के तहत राज्य के सभी जिलों में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर नजर रखी जा रही है। इसके लिए जिला परिवहन पदाधिकारी, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी, मोटरयान निरीक्षक और प्रवर्तन अवर निरीक्षक को जिम्मेदारी सौंपी गई है। राज्य परिवहन आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि प्रमुख चौक-चौराहों और चेक पोस्टों पर जांच अभियान को सघन बनाया जाए। यहां वाहनों की जांच के दौरान हेलमेट, सीटबेल्ट और अन्य यातायात नियमों के पालन की स्थिति देखी जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार</p>

फाइनंस एजेंट से लूट, 2 आरोपी पकड़ाए, लोगों ने पोल से बांधकर पीटा

एजेंसी, पटना	
<p>पटना के गौरीचक में मंगलवार को दिनदहाड़े एक फाइनंस कंपनी के रिकवरी एजेंट से 1 लाख 20 हजार और मोबाइल लूट लिए गए। ग्रामीणों ने दो अपराधियों को पकड़कर उनकी पिटाई की और पुलिस के हवाले कर दिया। अन्नपूर्णा फाइनंस कंपनी का एजेंट ग्राहकों से लोन का पैसा वसूल कर लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये अपने बैग में रखकर मोटरसाइकिल से लौट रहा था। जमुनापार के पास दो बाइक सवार अपराधियों ने पिस्तौल दिखाकर उसे रोक और बैग-मोबाइल छीन लिया। एजेंट ने शोर मचाना शुरू कर दिया। फाइनंस कंपनी के एक अंकित कुमार ने बताया कि गांव के नजदीक ही चार युवक ने पिस्तौल दिखाकर रुपए से भरा बैग लूट लिया। विरोध करने पर अपराधी ने हवा में एक फायर की, जिससे वह डर गए। आक्रांपस के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दो अपराधियों को पकड़ लिया। जबकि दो युवक भागने में सफल हो गए। बताया जा रहा है कि सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों के पास से 48000 बरामद कर लिए हैं। घटना की खबर मिलते</p>	<p>ही गौरीचक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी रंजीत कुमार ने बताया कि पुलिस ने तुरंत कार्रवाई कर दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर थाने ले आई है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने गोली चलने की बात से इनकार किया है।</p> <p>थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए अपराधियों में से एक की पहचान गोलु कुमार के रूप में हुई है, जबकि दूसरे की पहचान औरअन्य मामलों की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार, अपराधियों के पास से हथियार बरामद किए गए हैं और फाइनंस एजेंट से हुई लूट की राशि अनुमंडल पदाधिकारी सदर टू रंजन कुमार ने बताया, गौरीचक थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।</p>



संक्षिप्त समाचार

पीएम के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने पर सेवा संकल्प अभियान के तहत सेमिनार आयोजित सिकारिया बीएड कॉलेज में छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से प्रस्तुत की प्रधानमंत्री की जीवन यात्रा, प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित



बीएनएम @ मोतिहारी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा नेता एवं उद्योगपति यमुना सिकारिया के सिकारिया बीएड कॉलेज में एक सेमिनार का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवन, व्यक्तित्व एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन सुगौली विधायक राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता, भाजपा नेता यमुना सिकारिया, गांधी संग्रहालय के उपाध्यक्ष चंद्रभूषण पांडेय, भाजपा महामंत्री रामएकबाल प्रसाद, भाजपा रक्सौल जिला उपाध्यक्ष अवध पटेल, कॉलेज की प्राचार्या प्रीति दुबे एवं वर्षा रानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए सुगौली विधायक राजेश कुमार उर्फ बब्लू गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 वर्षों तक सेवाभाव के साथ सार्वजनिक जीवन में कार्य किया है, जो सराहनीय है। अन्य नेताओं एवं जनप्रतिनिधियों को भी उनके कार्यों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही राजनीति का मूल उद्देश्य होना चाहिए। भाजपा नेता एवं उद्योगपति यमुना सिकारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। आज पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत की नीतियों और विकास के मॉडल को दूसरे देश भी अपना रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन और उनके कार्यों से युवाओं को प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीवनी पर आधारित पोस्टर तैयार करने वाले विद्यार्थियों को मेडल, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में शिविका गुप्ता, शुभलक्ष्मी दास, मुस्कान जायसवाल, अनुपम भारती, विजेता तिवारी, प्रीति आनंद एवं प्रिया कुमारी सहित अन्य छात्राएं शामिल रहीं। कार्यक्रम का मंच संचालन कॉलेज की प्राचार्या प्रीति दुबे ने किया। सेमिनार के माध्यम से विद्यार्थियों को सार्वजनिक जीवन, सेवा भाव एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया।

एसएसबी का पशु चिकित्सा शिविर पशुपालकों को मिली राहत



बीएनएम @ मोतिहारी। 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की ओर से समवाय कौरैया के कार्यक्रम अंतर्गत सीमावर्ती जीवत ग्राम चंद्रमन में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन मंगलवार को किया गया। डॉ. विचार नेमा, कमांडेंट (पशु चिकित्सा), सीमांत मुख्यालय, पटना के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर में ग्रामीण पशुपालकों के पशुओं का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किया गया। साथ ही, आवश्यक दवाओं का भी निःशुल्क वितरण किया गया। शिविर के दौरान पशुओं में होने वाली विभिन्न बीमारियों के लक्षण, उपचार एवं बचाव के उपायों की जानकारी देकर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। पशुपालकों को पशुओं के उचित रख-रखाव, संतुलित आहार, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई तथा नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व से अवगत कराया गया। डॉ. विचार नेमा ने पशुपालकों को समय पर टीकाकरण कराने, बीमार पशुओं की पहचान कर शीघ्र उपचार सुनिश्चित करने तथा संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी। एसएसबी की इस पहल से सीमावर्ती क्षेत्र के पशुपालकों को पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य एवं देखभाल संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी मिली। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को पशुधन की सुरक्षा और पशुपालन के प्रति जागरूक करने का सराहनीय प्रयास किया गया।

रावण दहन और पूजा पंडालों पर प्रशासन की नजर, अधिकारियों ने किया निरीक्षण हरसिद्धि में एसडीओ, एसडीपीओ और बीडीओ ने की स्पॉट मीटिंग, सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन को लेकर तैयारियां का लिया जायजा



बीएनएम @ मोतिहारी/हरसिद्धि। दुर्गापूजा और रावण दहन के दौरान सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सुजीत कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पंकज कुमार मिश्रा और प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय प्रकाश राय ने हरसिद्धि थाना क्षेत्र के रावण दहन स्थल और प्रमुख पूजा पंडालों का संयुक्त निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विभिन्न स्थलों को भ्रमण कर आयोजन की तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित लोगों के साथ स्पॉट मीटिंग की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पूजा पंडालों और रावण दहन स्थल पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ तथा सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की जानकारी ली। त्योहार के दौरान लोगों की आवाजाही सुचारु रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने की तैयारियों पर भी चर्चा की गई। बड़े पूजा पंडालों और रावण दहन कार्यक्रम में लोगों की अधिक भीड़ जुटने की संभावना को देखते हुए प्रशासन का जोर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने पर है। अधिकारियों ने आयोजन से जुड़े लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर पर्व को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर जोर दिया। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के संयुक्त भ्रमण को पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। निरीक्षण का उद्देश्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ क्षेत्र में शांति और विधि-व्यवस्था बनाए रखना है। दुर्गापूजा और रावण दहन के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है।

लगजरी कार के तहखाने से 58.93 किलो गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार

XUV-500 की सीटों और बैक लाइट के कवर में छिपाकर हो रही थी तस्करी, पुलिस ने कथित मुख्य सरगना के घर से गांजा का नमूना और इलेक्ट्रॉनिक तराजू भी किया बरामद

बीएनएम @ राकेश कुमार

मोतिहारी/हरसिद्धि। पूर्वी चंपारण में गांजा तस्करी के एक संगठित नेटवर्क का खुलासा करते हुए हरसिद्धि थाना पुलिस ने 58.93 किलोग्राम गांजा जैसा पदार्थ बरामद किया है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही काले रंग की महिंद्रा XUV-500 कार को जब्त कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, तस्करो ने गांजा छिपाने के लिए कार की बीच और पीछे वाली सीटों के भीतर तहखाना बना रखा था। इसके अलावा बैक लाइट के कवर में भी मादक पदार्थ छिपाया गया था। पुलिस की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 12 अक्टूबर को दोपहर में गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ गांजा तस्कर लगजरी कार में मादक पदार्थ छिपाकर रक्सौल बॉर्डर से छपवा होते हुए अरराज की ओर जा रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस



पदाधिकारी पंकज कुमार मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। दंडाधिकारी की मौजूदगी में हरसिद्धि थाना के पास सघन वाहन जांच शुरू की गई। आसपास के थानों को भी अलर्ट किया गया था। इसी दौरान छपवा की ओर से आ रही काले रंग की महिंद्रा XUV-500 को रोककर तलाशी ली गई। जांच में कार की बीच और पीछे की सीटों में बनाए गए तहखाने तथा बैक लाइट के कवर के अंदर छिपाकर रखे गए गांजा जैसे पदार्थ के 17 पैकेट मिले। इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर कार से 58.8 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद हुआ। चालक और उसके साथ बैठे व्यक्ति से पूछताछ

की गई, लेकिन पुलिस के अनुसार, दोनों संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ के बाद कथित सरगना के घर छापेमारी-पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार चालक से पूछताछ और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के दौरान तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी मिली। इसके आधार पर पुलिस ने लगातार छापेमारी की। इस कारवाई में हरसिद्धि थाना क्षेत्र के झड़वा गांव से नाजिम खान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके घर से गांजा जैसा पदार्थ का करीब 130 ग्राम नमूना और एक इलेक्ट्रॉनिक



तराजू भी बरामद किया। इस तरह कार से बरामद 58.8 किलोग्राम और घर से मिले 130 ग्राम सहित कुल बरामदगी 58.93 किलोग्राम बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही महिंद्रा XUV-500, दो मोबाइल फोन और अन्य हथियार (26) के रूप में की गई है। पुलिस ने नाजिम खान को तस्करी नेटवर्क का कथित मुख्य सरगना बताया है।

गिरफ्तार आरोपितों में नाजिम का नाम शामिल-पुलिस विज्ञप्ति में गिरफ्तार आरोपितों की

आपराधिक मामलों का भी उल्लेख किया गया है। इनमें पिराकोठी थाना कांड संख्या 114/22, अरराज थाना कांड संख्या 195/26, हरसिद्धि थाना कांड संख्या 177/24 तथा संग्रामपुर थाना कांड संख्या 326/25 और 367/26 शामिल हैं। इसके अतिरिक्त हैरैया थाना कांड संख्या 55/26 का भी उल्लेख है, जो एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं से संबंधित बताया गया है। विज्ञप्ति में संग्रामपुर के एक मामले में हत्या और आर्म्स एक्ट की धाराओं का भी जिक्र किया गया है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थ के स्रोत, उसकी आपूर्ति और संभावित खरीदारों का पता लगाने में जुटी है। छापेमारी दल में एसडीपीओ पंकज कुमार मिश्रा, पुलिस निरीक्षक अजय कुमार सिंह, हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, पुलिस अपर निरीक्षक ऋतु जायसवाल, प्रशिक्षु पुलिस अवर निरीक्षक सेराज अहमद सहित हरसिद्धि थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

दुर्गा पूजा पर प्रकृति संरक्षण का संकल्प, राधा स्वामी मध्य विद्यालय में लगी पर्यावरण की पाठशाला

» वन विभाग के सहयोग से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित, विशेषज्ञों ने बच्चों को दिया हरियाली बचाने का संदेश

बीएनएम @ मोतिहारी



आवश्यक है। मां दुर्गा शक्ति, सृजन और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक हैं। ऐसे अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि जिस प्रकृति की गोद में हमारा जीवन पलता है, उसकी रक्षा करना भी हमारा नैतिक कर्तव्य है। सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार ने कहा कि तेजी से घटती हरियाली, पेड़ों की कटाई, बढ़ते प्रदूषण और बिगड़ते पर्यावरण संतुलन के बीच पौधारोपण महज एक अभियान नहीं, बल्कि भविष्य को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी बन गया है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने की अपील की। वहीं, पर्यावरण प्रेमी नवनीत कुमार गिरि ने प्रकृति और विज्ञान के संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मां दुर्गा के आगमन पर घरों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और आसपास के खाली स्थानों की साफ-सफाई के साथ

पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण का सकारात्मक संदेश दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल पौधे लगाने से नहीं, बल्कि उहाँ पेड़ बनने तक सहजने से होगी। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधों की नियमित देखभाल की जिम्मेदारी भी उठानी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अर्जुन कुमार ने की, जबकि संचालन संजय कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने छात्र-छात्राओं के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मौके पर आदर्श कुमार ओझा, सुबोध कुमार उर्फ हिमांशु, अंकुश कुमार, श्वेता रानी, कुमारी रूपम, सोनम कुमारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आपदा से बचाव के लिए तैयार हुए शिक्षक मॉक ड्रिल में सीखे जीवन रक्षा के गुर

बीएनएम @ मोतिहारी

आपदा के समय घबराने के बजाय सूझबूझ, पूर्व तैयारी और त्वरित कार्रवाई से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। इसी उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर मंगलवार को बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रेन) एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संकुल संसाधन केंद्र, उत्तरी ढेकहा में शिक्षकों के लिए क्षमता वर्धन एवं जीवन सुरक्षा कौशल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इसमें चार संकुलों के 23 विद्यालयों के फोकल शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को आपदा की स्थिति में बचाव, राहत एवं प्राथमिक सहायता से जुड़ी विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा शिक्षकों के माध्यम से बच्चों और पूरे विद्यालय परिवार को संभावित आपदाओं के प्रति जागरूक एवं तैयार बनाना था। प्रशिक्षण में इस बात पर जोर दिया गया कि आपदा प्रबंधन को केवल विशेष दिवसों तक सीमित न रखकर



विद्यालय की नियमित गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाए। उद्घाटन सत्र में सीआरसी कोऑर्डिनेटर जुनेद आलम एवं संकुल संचालक मनोज पाठक ने कहा कि जोखिमों की पहचान, बचाव के उपायों को जानकारी और समय रहते तैयारी से आपदा के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। शिक्षकों की भूमिका इस दिशा में महत्वपूर्ण है, क्योंकि वे बच्चों को जागरूक कर विद्यालय को सुरक्षित बनाने में अहम योगदान दे सकते हैं। प्रशिक्षण का प्रमुख आकर्षण अनिन सुरक्षा से संबंधित मॉक ड्रिल रहा। जिला अग्निशमन विभाग के प्रधान अभिनव शर्मा अहमद के नेतृत्व में विजय मंडल, अमन राज, विश्वजीत कुमार एवं राजेंद्र

चौधरी ने आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों और अग्नि सुरक्षा के विभिन्न उपायों का प्रदर्शन किया। इस दौरान गैस सिलेंडर में लगी आग को सुरक्षित तरीके से बुझाने का अभ्यास कराया गया। शिक्षकों को बताया गया कि आपात स्थिति में सही निर्णय लेकर किस प्रकार स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। आपदा मित्र प्रशिक्षक रजनीश कुमार ने प्राथमिक उपचार एवं प्रथम रिसपांडर की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने हाथ-पैर में फ्रैक्चर होने की स्थिति में पीड़ित को सुरक्षित सहायता देने, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से अस्थायी स्ट्रेचर तैयार करने तथा खोज एवं बचाव की तकनीकों

का व्यावहारिक अभ्यास कराया। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को आपदा के दौरान चायलों की मदद करने और उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने की जानकारी दी गई। बाल रक्षा भारत के राज्य सहायक प्रबंधक असीम कुमार मंडल ने अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपदा से निपटने के लिए पूर्व तैयारी बेहद जरूरी है। आपदा आने के बाद राहत एवं बचाव कार्य करना जितना महत्वपूर्ण है, उससे पहले संभावित खतरों की पहचान कर जोखिम को कम करने के उपाय करना भी उतना ही आवश्यक है। इस दौरान स्कूल रिसक एवं हैज़ार्ड एक्सरसाइज के माध्यम से शिक्षकों ने विद्यालय परिसर में मौजूद संभावित खतरों की पहचान की तथा उनके न्यूनीकरण के उपायों पर चर्चा और अभ्यास किया। प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को विद्यालय स्तर पर बच्चों एवं अन्य शिक्षकों तक पहुंचाने पर भी विशेष जोर दिया गया, ताकि आपदा प्रबंधन और सुरक्षा संबंधी उपायों को व्यवहार में लाया जा सके। कार्यक्रम का संचालन बाल रक्षा भारत के हामिद राजा एवं सत्य प्रकाश ने किया।

डीडीसी ने की ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा, लखित मामलों के निष्पादन में आई तेजी



बीएनएम @ मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में मंगलवार को उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में योजना के तहत लंबित कार्यों की समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निष्पादन पर जोर दिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत ऑर्डरशीट की लंबित प्रविष्टियों, मेकर लॉगिन में एफटीओ (फंड ट्रांसफर ऑर्डर) की लंबित प्रक्रिया तथा डाफ्ट पीडब्ल्यूएल सूची से संबंधित ग्रामसभा के संकल्प को पोर्टल पर अपलोड करने की स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान

सभी ग्रामीण आवास पर्यवेक्षक, लेखापाल एवं कार्यपालक सहायक उपस्थित रहे। बैठक में डीआरडीए के निदेशक, लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन श्री जयराम चौरसिया भी मौजूद थे। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि लेखापालों के मेकर लॉगिन में एफटीओ तथा कार्यपालक सहायकों के लॉगिन में ऑर्डरशीट से संबंधित काफी मामले लंबित थे। इस पर उप विकास आयुक्त ने लंबित कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की। इसके बाद कैप मोड में कार्य करते हुए लेखापालों ने मेकर लॉगिन में लंबित एफटीओ तथा कार्यपालक सहायकों ने लंबित ऑर्डरशीट का निष्पादन किया। इस पहल से लंबित मामलों के निपटारे में अच्छी प्रगति दर्ज की गई।

संक्षिप्त समाचार

30.5 किलो चरस तस्करी मामले में साजन कुमार को 15 साल की कठोर सजा, एक लाख का जुर्माना
मोतिहारी के विशेष एनडीपीएस-II न्यायालय का सख्त फैसला
पुलिस के साक्ष्य और चार्जशीट के आधार पर दोषसिद्धि

बीएनएम @ मोतिहारी। मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामले में मोतिहारी की विशेष एनडीपीएस-II अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए अभियुक्त साजन कुमार को 15 वर्ष के कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। 30.5 किलोग्राम चरस बरामदगी के इस मामले में मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को विशेष न्यायाधीश श्री बृजेश कुमार की अदालत ने त्वरित विचारण के बाद फैसला सुनाया। यह मामला हरसिद्धि थाना कांड संख्या 455/24 से संबंधित है। दोषसिद्ध अभियुक्त साजन कुमार, चंद्रशेखर सहनी का पुत्र है और हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घोघराहा बैरिया गांव का निवासी है। उसके पास से 30.5 किलोग्राम चरस बरामद होने के मामले में न्यायालय ने एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20(बी)(ii)(सी) के तहत दोषी करार देते हुए 15 वर्ष के कारावास और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

पुलिस के साक्ष्य और चार्जशीट बने अहम आधार-इस मामले में मोतिहारी पुलिस की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और आरोपपत्र के आधार पर न्यायालय में सुनवाई हुई। अभियोजन पक्ष ने मामले को प्रभावी ढंग से रखा। विशेष लोक अभियोजक प्रभाज कुमार त्रिपाठी ने अभियोजन की ओर से पैरवी की, जबकि मामले के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक उगन पासवान ने। 30.5 किलोग्राम चरस की बरामदगी से जुड़े इस मामले में दोषसिद्धि और सजा मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई का अहम परिणाम है। न्यायालय के इस फैसले से स्पष्ट है कि एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में प्रस्तुत साक्ष्यों और अभियोजन की भूमिका दोषसिद्धि तक पहुंचने में महत्वपूर्ण होती है।

बस की ठोकर से जुगाड़ ठेला के उड़ें परखच्चे, चालक गंभीर

बीएनएम @ मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मुरापुर के समीप पीछे से आ रही बस की ठोकर से जुगाड़ ठेला बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में ठेला चालक रामनरेश पासवान उर्फ बागड़ पासवान (उज्जैन लोहियार निवासी) गंभीर रूप से जखमी हो गए। उनके नाक और मुंह से खून निकलने लगा। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उन्हें मोतिहारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया। रामनरेश के पुत्र विक्रमा पासवान ने बताया कि उनके पिता मोतिहारी से जुगाड़ ठेला लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान मुरापुर के समीप बस ने पीछे से ठोकर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ठेला बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। परिजनों के अनुसार, रामनरेश जुगाड़ ठेला चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ठेला क्षतिग्रस्त होने और उनके गंभीर रूप से घायल होने से परिवार के सामने इलाज के साथ आजीविका का संकट भी खड़ा हो गया है।

बगहा में स्वच्छता अभियान, पूजा पंडालों की हुई सफाई

बीएनएम @ बगहा। नगर परिषद बगहा में स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान के तहत स्वच्छता टीम एवं स्वच्छता साथियों ने आरआरआर सेंटर (रिड्यूस्, रीयूज, रीसाइकिल) के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस दौरान सेंटर, जिसे आम बोलचाल में 'नेकी की दीवार' कहा जाता है, की उपयोगिता बताई गई। लोगों से पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, किताबें और अन्य उपयोगी वस्तुएं फेंकने के बजाय आरआरआर सेंटर में जमा देने की अपील की गई, ताकि जरूरतमंद लोग उनका पुनः उपयोग कर सकें और कचरे की मात्रा कम हो। अभियान के तहत नगर क्षेत्र के पूजा पंडालों में साफ-सफाई भी कराई गई। पूजा समितियों और आम नागरिकों को पंडालों तथा आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखने और कचरा इधर-उधर नहीं फेंकने के प्रति जागरूक किया गया। इसके साथ ही लोगों को घरों में गीले कचरे से खाद बनाने, कचरे को चार श्रेणियों में अलग-अलग रखने तथा एकल उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रतिबंध के बारे में जानकारी दी गई। ठेला और खोमचा लगाने वाले दुकानदारों को अपने ठेले के पास इस्टबिन रखने तथा ग्राहकों द्वारा उत्पन्न कचरे को उत्तम जमा करने का निर्देश दिया गया, ताकि बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैले। नगर परिषद ने नागरिकों, पूजा समितियों और दुकानदारों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग करने तथा नगर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाने की अपील की।

बगहा में सात गिरफ्तार, शराब और तीन बाइक बरामद

बीएनएम @ बगहा। पुलिस जिले में विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाए गए अभियान के दौरान सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 32.8 लीटर शराब और तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अलावा 19 वारंट और नौ कुर्की का निष्पादन किया गया, जबकि वाहन जांच के दौरान 83 हजार रुपये की शमन राशि वसूली गई। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामनगर थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत राजा उर्फ छोटा डॉन को गिरफ्तार किया। भित्हां थाना पुलिस ने मद्यनिषेध कानून के तहत दुट्टनुट गुप्ता, रिजवान अंसारी और रामप्रवेश यादव को गिरफ्तार किया। इस दौरान 18 लीटर देसी शराब और दो मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। भैरौगंज थाना पुलिस ने रम्भा देवी को छह लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया, जबकि धनहां थाना पुलिस ने बबलू कुमार चौधरी को 8.8 लीटर देसी शराब और एक मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा। पटखौली थाना पुलिस ने वारंट के मामले में उदय भान पाठक तथा वाल्मीकिनगर थाना पुलिस ने चन्द्रमोहन साह को गिरफ्तार किया। वहीं, लौकरिया थाना पुलिस ने संबंधित मामले में वकील कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय भेजने की कार्रवाई की जा रही है। एस्पपी ने बताया कि वाहन जांच अभियान के दौरान कुल 373 वाहनों की जांच की गई और नियमों के उल्लंघन पर 83 हजार रुपये की शमन राशि वसूल की गई।

पताही प्रखंड-अंचल कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, पीएम आवास योजना से कटे नामों की होगी जांच

बीएनएम @ पताही

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने को पताही प्रखंड -सह- अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनसमस्याओं का त्वरित निष्पादन करने और सरकारी योजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से पात्र लाभुकों के नाम काटे जाने का मामला प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को बताया कि आवास योजना की सूची से कई ऐसे लोगों के नाम हटा दिए गए हैं, जो योजना का लाभ पाने के योग्य हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर वास्तविक पात्र परिवारों को योजना में शामिल करने की मांग की। इस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम और बीडीओ को आवश्यक जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट

किया कि जांच में पात्र पाए जाने वाले लाभुकों के नाम विभाग को भेजे जाएंगे। इसके बाद नियमानुसार अंतिम निर्णय विभागीय स्तर पर लिया जाएगा। उक्त निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री यादव ने कार्यालय पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस क्रम में कुल 11 लोगों ने उन्हें आवेदन सौंपे। डीएम ने बीडीओ को प्राप्त आवेदनों की आवश्यक जांच कर जल्द निष्पादन करने और संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। एक दिव्यांग व्यक्ति ने ट्राइसाइकिल की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने आवेदन देने को कहा और संबंधित अधिकारी को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने बीडीओ को प्रखंड क्षेत्र में फसल सहायता बीमा के पांच प्रतिशत मामलों की जांच सुनिश्चित करने तथा आवास योजना से संबंधित लाभुकों की पात्रता की



समीक्षा कर नियमानुसार नाम जोड़ने की कार्रवाई करने को कहा। प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नजारा की कैशबुक और अन्य संचिकाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अभिलेखों के उचित रखरखाव को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। वहीं, अंचल कार्यालय में परिमार्जन, म्यूटेशन और अन्य

पंचायत राज पदाधिकारी से सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थिति की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने पताही के सभी वार्डों में इनकी जांच कराने का निर्देश दिया। वहीं, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को भूमिहीन आंगनवाड़ी केंद्रों को जल्द नजदीकी विद्यालय भवन में स्थानांतरित करने तथा विभागीय समस्याओं से संबंधित प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से विद्यालयों में संचालित मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता और स्कूलों के संचालन समय की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने विद्यालयों का संचालन निर्धारित समय के अनुसार सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा को योजनाओं का क्रियान्वयन गुणवत्तापूर्ण तरीके से और निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि मनरेगा

कार्यों में शिकायतों की गुंजाइश नहीं रहनी चाहिए। साथ ही, ग्रामीण विकास से जुड़ी सरकारी योजनाओं को गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि लाभुकों के बीच राशन का वितरण समय पर और सही वजन के साथ सुनिश्चित करें। इसके लिए नियमित रूप से विभिन्न जनवितरण प्रणाली दुकानों का स्वयं निरीक्षण करने को भी कहा गया। निरीक्षण के दौरान पकड़ीदयाल को अनुमंडल पदाधिकारी ममला कुमारी भी उपस्थित थीं। प्रधानमंत्री आवास योजना की सूची से नाम हटाए जाने के मामले में अब ग्रामीणों की निगाहें एसडीएम और बीडीओ की जांच पर टिकी हैं। जांच में पात्र पाए जाने वाले लाभुकों के नाम विभाग को भेजे जाएंगे, जबकि योजना का लाभ देने के संबंध में अंतिम निर्णय विभागीय स्तर पर लिया जाएगा।

सीएचसी पताही में टीकाकरण व एनसीडी कार्यक्रमों की हुई समीक्षा बैठक

बीएनएम @ पताही

प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पताही में साप्ताहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और आम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने को लेकर आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राज कुमार, अकाउंटेंट सुमन सौरव और एमएण्डई मुकेश कुमार सहित संबंधित स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। इस दौरान टीकाकरण, गैर-संचारी रोग (एनसीडी) कार्यक्रम समेत स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति और संचालन की समीक्षा की गई। बैठक में



टीकाकरण कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने, निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने तथा एनसीडी कार्यक्रम के तहत गैर-संचारी रोगों की जांच और समय रहते उनकी पहचान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत संचालित अन्य योजनाओं की स्थिति की भी समीक्षा की गई और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने कार्यक्रमों की

नियमित निगरानी, कार्यों में आपसी समन्वय और योजनाओं के बेहतर संचालन की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे और आम जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। बैठक का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति का आकलन करना, कार्यों में समन्वय स्थापित करना तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना रहा।

मोतिहारी में कथित भू-माफिया के घर पुलिस की बड़ी रेड, हथियारों का जखीरा और 27 लाख नकद बरामद

» दो रायफल, दो ऑटोमेटिक पिस्टल और 114 कारतूस जब्त, जमीन से जुड़े 60 दस्तावेज भी मिले; राकेश शर्मा का बेटा साहिल राज गिरफ्तार

बीएनएम @ राकेश कुमार

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में कथित भू-माफिया के खिलाफ मोतिहारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। छत्तीन थाना क्षेत्र के बरियापुर स्थित राकेश शर्मा के घर पर मंगलवार को कई थानों की पुलिस ने संयुक्त छापेमारी की। इस दौरान दो रायफल, दो ऑटोमेटिक पिस्टल, 114 जिंदा कारतूस और 27 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। पुलिस ने छह बोतल अंग्रेजी शराब और जमीन से जुड़े 60 दस्तावेज भी जब्त किए हैं। मौके से राकेश शर्मा के पुत्र साहिल राज को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि राकेश शर्मा के घर में अवैध हथियार रखे गए हैं और उनका इस्तेमाल कथित तौर पर



अवैध गतिविधियों में किया जाता है। सूचना के सत्यापन के बाद सदर-1 के एसडीपीओ दिलीप कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। इसमें सदर-2, अरेराज और सिकरहता के एसडीपीओ के साथ छत्तौनी, मुफस्सिल, ढाका और कोटवा थानों की पुलिस शामिल थी। संयुक्त टीम ने बरियापुर स्थित आवास पर छापेमारी कर तलाशी ली। पुलिस के मुताबिक, इस दौरान हथियारों और कारतूसों के साथ 27 लाख रुपये नकद, छह बोतल अंग्रेजी शराब और जमीन से संबंधित 60 दस्तावेज बरामद हुए। इसके बाद साहिल राज को गिरफ्तार

कर लिया गया। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी में जमीन से संबंधित 60 दस्तावेजों की बरामदगी भी जांच का अहम पहलू है। पुलिस ने इन दस्तावेजों को वैध-अवैध बताते हुए बरामदगी की जानकारी दी है। हालांकि, दस्तावेजों की वास्तविक प्रकृति, उनसे जुड़ी संर्पत्तियों के मूल्य और कथित अवैध गतिविधियों में उनकी भूमिका को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस बरामद हथियारों, नकदी और दस्तावेजों के स्रोत की जांच कर रही है।

शराबबंदी कानून में गौरीशंकर राय को पांच साल की कैद



बीएनएम @ बगहा / पश्चिम चंपारण

बगहा उत्पाद न्यायालय ने शराबबंदी कानून के उल्लंघन के मामले में दोषी गौरीशंकर राय को पांच वर्ष के कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। मंगलवार को सुनाए गए फैसले के अनुसार, जज्मिनी की राशि जमा नहीं करने पर दोषी को तीन जमा का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतान होगा। मामला बगहा थाना कांड संख्या 244/24 से जुड़ा है। इस संबंध में 16 सितंबर 2024 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गौरीशंकर राय, पिता स्वर्गीय कपिलदेव राय, निवासी सोझी घाट, थाना बगहा,

पश्चिम चंपारण को मामले में नामजद अभियुक्त बनाया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्य जुटाए। अनुसंधान पूरा होने के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। मामले की निगरानी बगहा के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार कर रहे थे। न्यायालय में आरोप गठन और सुनवाई की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत दोषी को पांच साल की कैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। मामले में विशेष लोक अभियोजक अनवर हुसैन अंसारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

गुप्ता मेडिकल पर औषधि निरीक्षकों की छापेमारी, खुदरा बिक्री के प्रमाण मिले

» थोक दवा दुकान में खुदरा बिक्री की कटिंग बरामद, अनुज्ञप्ति की शर्तों के उल्लंघन पर कार्रवाई की तैयारी

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी-अरेराज पथ स्थित अंग्रेजी दवाओं के थोक विक्रेता गुप्ता मेडिकल में मंगलवार को जिला औषधि निरीक्षकों की टीम ने छापेमारी की। दुकान में कथित अनियमितता और धोखाधड़ी की शिकायत पर पहुंची टीम ने थोक औषधि अनुज्ञप्ति और उसकी शर्तों के अनुपालन की जांच की। जांच के दौरान खुदरा दवा बिक्री के प्रमाण मिलने और इसकी कटिंग बरामद होने की बात सामने आई है। छापेमारी दल में औषधि निरीक्षक सागर सोनी, राकेश कुमार,



नारायण चौधरी और विवेक कुमार शामिल थे। टीम ने दुकानदार से थोक दवा बिक्री की अनुज्ञप्ति और उसके निर्धारित नियमों के पालन के संबंध में जानकारी ली। टीम का नेतृत्व कर रहे औषधि निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि परिवाद के आधार पर दुकान की जांच की गई। इस दौरान खुदरा दवा बिक्री के

ताजा प्रमाण मिले हैं। खुदरा बिक्री से संबंधित कटिंग भी बरामद की गई है। उन्होंने इसे थोक औषधि अनुज्ञप्ति की शर्तों का खुला उल्लंघन बताया। औषधि निरीक्षक ने बताया कि जांच प्रतिवेदन वरीय पदाधिकारी को भेजा जाएगा। प्रतिवेदन के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आधी सदी से कायम है तुरकौलिया बाजार की दुर्गा पूजा की परंपरा, भव्य आयोजन की तैयारी तेज

1974 से हो रहा पूजा का आयोजन, सप्तमी से दशमी तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रहेगी धूम; सुरक्षा में तैनात रहेंगे 100 स्वयंसेवक

बीएनएम @ तुरकौलिया

प्रखंड मुख्यालय स्थित तुरकौलिया बाजार में दुर्गा पूजा की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। वर्ष 1974 से चली आ रही पूजा की परंपरा को इस बार भी भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है। आकर्षक पंडाल, देवी-देवताओं की प्रतिमाएं, रंग-बिरंगी रोशनी और सांस्कृतिक कार्यक्रम इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण होंगे। पूजा समिति की ओर से आयोजन को भव्य बनाने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। पूजा समिति के अध्यक्ष सह सरपंच मनोज



कुमार ने बताया कि पंडाल निर्माण में बंगाल से आए कारीगरों के साथ स्थानीय मजदूर भी जुटे हुए हैं। इस वर्ष पिछले साल की तुलना में अधिक खर्च होने की संभावना है। बाजार का प्रमुख पूजा स्थल होने के

किलोमीटर तक रोशनी की व्यवस्था की जा रही है। पंडाल में सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 100 स्वयंसेवक तैनात रहेंगे। वहीं, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं, ताकि दर्शन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। पूजा के अवसर पर सप्तमी से दशमी तक विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महिलाओं की सुविधा के लिए अलग पंडाल बनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान छोटे बच्चों और स्थानीय कलाकारों की ओर से नाटक प्रस्तुत किए जाएंगे। पूजा

समिति का उद्देश्य धार्मिक आयोजन के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से भी लोगों को जोड़ना है। पूजा को शांतिपूर्ण और सफल तरीके से संपन्न कराने के लिए समिति के सदस्य लगातार तैयारियों में जुटे हैं। समिति की ओर से प्रशासन से भी आवश्यक सहयोग की अपील की गई है। आयोजन की तैयारी में सचिव सह मुखिया सुनील कुमार टाडगर, कोषाध्यक्ष पप्पू कुमार, भोला साह तुरहा, अवधकिशोर चौधरी, रूपलाल यादव, प्रकाश कुमार, अमित कुमार टूटू, विकास कुमार, मोहित कुमार और सत्री कुमार समेत अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

बॉर्डर न्यूज मिरर

पटना, बुधवार, 14 अक्टूबर, 2026

भू-राजनीतिक दबाव

उचित ही इसे असहज करने वाली रवायत का हिस्सा बताया गया है, जिसमें भारत विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू-राजनीतिक दबाव में हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को अपने यहां से जाने देता है। म्यांमार से मणिपुर में घुस कर उग्रवादियों ने चार नगा नागरिकों की हत्या कर दी। इस घटना से मणिपुर में जारी हिंसा के साथ सीमा पार का पहलू जुड़े होने की फिर पुष्टि हुई है। ये वारदात उस समय हुई, जब अमेरिकी एंजेंट मैथ्यू वॉनडाइक और छह यूक्रेनी ड्रोन विशेषज्ञों को भारत से बाहर जाने देने की इजाजत मिल गई है। इन सभी को इस वर्ष मार्च में संदिग्ध स्थितियों में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि ये सभी मणिपुर के रास्ते म्यांमार गए। इस मामले को भारत म्यांमार सीमा पर उग्रवादी गतिविधियों और विदेशी हस्तक्षेप की शिकायत से जोड़ कर देखा गया। वॉनडाइक अमेरिकी भाड़े का सैनिक है, जो सनस ऑफ़ लिबरटी इंटरनेशनल नामक विवादस्पद संस्था से जुड़ा है। लीबिया, सीरिया, इराक, और अफगानिस्तान जैसे युद्ध क्षेत्रों में उसकी भूमिका विवादस्पद रही है। भारत में भी पहले उस पर आतंकवाद से जुड़ी धारा लगाई गई, लेकिन चार्जशीट पेश करते ववत यूएपीए हटा दिया गया। विपक्ष एवं कई सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस पर कड़ा एतराज जताया था। उनका इल्जाम है कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के हस्तक्षेप के कारण भारत सरकार ने इन लोगों पर नरमी बरती। बीते मई मे भारत यात्रा के समय अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी ये मामला उठाया था। विश्लेषकों ने उचित ही इस कांड को उस लंबी और असहज करने वाली रवायत का हिस्सा माना है, जिसमें भारत अपने सख्त कानूनों का हवाला तो देता है, और विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू-राजनीतिक दबाव पड़ते ही हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को दंडित करने से पीछे हट जाता है। खुद भारतीय अदालत में दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक वॉनडाइक का गुट बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का हिस्सा है, जो तस्करी कर ड्रैन्स भारत लाता था और फिर उन्हें म्यांमार भेजता था। इसके पहले भीपल गैस लीक कांड में यूनियन कारबाइड के चेयरमैन वॉरेन एंडरसन, पुरुलिया में हथियार गिराने के आरोपियों, और केरल में भारतीय मद्युआरों के हत्यारे इटली के दो नौसैनिकों के प्रति भी ऐसी नरमी बरती गई थी। ये तमाम घटनाएं भारतीय राज्य के सॉफ्ट (कमजोर) बने रहने की दुर्भाग्यपूर्ण मिसाल हैं।

खुद की लगाई आग में जलता पाकिस्तान

सुरेश हिंदुस्तानी

आर्थिक बदहाली के साप् में बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के समक्ष अब एक और नई परेशानी विकराल रूप धारण कर चुकी है। पाकिस्तान के लिए यह संकट उसकी खुद की ही देन कहा जा सकता है। क्योंकि सरकार और सेना जिस प्रकार के कार्यों को अंजाम दे रहे हैं, वे मात्र दिखावे के अलावा और कुछ नहीं है। पाकिस्तान में जहाँ एक ओर क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने इमरान खान की रिहाई के लिए सरकार विरोधी आंदोलन आग का रूप ले रहा है, वहीं पाकिस्तान के पड़ोसी देश अफगानिस्तान के साथ तनातनी वाला माहौल आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। इससे कट्टरपंथी इस्लामिक ताकतें पाकिस्तान सरकार के विरोध में आती जा रही हैं। इस सबके पीछे एक बड़ा कारण यह भी समझ में आ रहा है कि आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के समक्ष एक ऐसा खतरा पैदा हो गया है, जिससे वह ब्लैक लिस्ट में आ सकता है। अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान का भविष्य अंधकार युक्त हो सकता है।

वर्तमान में पाकिस्तान जिस रास्ते

पर चल पड़ा है, वह उसे मजबूती की ओर नहीं, बल्कि स्वयं के बनाए संकटों की ओर ले जा रहा है। पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति को देखकर एक पुरानी कहावत याद आती है दूसरों के लिए खोप गया गड्ढा कभी-कभी स्वयं के लिए भी खतरनाक हो जाता है। दशकों से आतंकवाद, कट्टरपंथ और पड़ोसी देशों के प्रति टकराव को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाने वाला पाकिस्तान आज उन्हीं नीतियों के दुष्परिणामों से जुझ रहा है। भारत के साथ तनाव तो उसकी पुरानी कहानी है, लेकिन अब अफगानिस्तान भी उसके लिए गंभीर चुनौती बन गया है। भीतर से राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक दबाव अलग संकट पैदा कर रहे हैं। सबसे ताजा और चिंताजनक घटनाक्रम पाकिस्तान अफगानिस्तान सीमा पर दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान ने हाल के दिनों में अफगानिस्तान के भीतर हवाई हमले किए हैं और उसका दावा है कि वहां से पाकिस्तान विरोधी आतंकवादी गतिविधियां संचालित हो रही थीं। दूसरी ओर तालिबान सरकार इन आरोपों को खारिज करती रही है। अक्टूबर की शुरुआत में पाकिस्तानी हवाई हमलों में अफगानिस्तान में

नागरिकों के मारे जाने की खबरों के बाद तनाव और बढ़ा है। जिस तालिबान को पाकिस्तान ने लंबे समय तक अपने रणनीतिक हितों के लिए समर्थन दिया, आज उसी के साथ उसके संबंध इतने खराब हो चुके हैं कि दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव की स्थिति पैदा हो रही है। कभी पाकिस्तान को उम्मीद थी कि अफगानिस्तान में उसकी पसंद की सत्ता उसके रणनीतिक हितों की रक्षा करेगी। लेकिन आतंकवाद और कट्टरपंथ की राजनीति की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि जिसे आज अपने हित में इस्तेमाल किया जाता है, वह कल नियंत्रण से बाहर हो सकता है।

अफगानिस्तान के साथ टकराव केवल सीमा विवाद नहीं है। यह पाकिस्तान की उस नीति की विफलता का संकेत है जिसमें आतंकवाद को रणनीतिक संघर्ष समझने की भूल की गई। पाकिस्तान स्वयं अब तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी और अन्य आतंकी संगठनों की हिंसा से परेशान है। दूसरी ओर भारत के साथ भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी है। अक्टूबर की शुरुआत में पंजाब सीमा पर हुई घटना के बाद दोनों

देशों ने एक-दूसरे के शीर्ष राजनयिकों को तलब किया। यह स्थिति बताती है कि पाकिस्तान के सामने केवल एक सीमा की चुनौती नहीं है। पश्चिम में अफगानिस्तान, पूर्व में भारत और भीतर आतंकवाद तथा राजनीतिक अस्थिरता, चारों दिशाओं से संकट दिखाई दे रहा है। ऐसे में प्रश्न यह है कि पाकिस्तान अपनी ऊर्जा आखिर किस दिशा में लगाएगा।

पाकिस्तान में इमरान खान के समर्थकों ने अक्टूबर की शुरुआत में उनकी रिहाई की मांग को लेकर इस्लामाबाद की ओर मार्च शुरू किया। सरकार ने राजधानी में सुरक्षा बढ़ाई और रास्तों को बंद किया। राजनीतिक संकट का यह खेल पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता को ही बढ़ावा दे रहा है। हालांकि पाकिस्तान की राजनीति लंबे समय से सत्ता के लिए राजनीतिक संघर्ष और सैन्य प्रभाव के बीच झूलती रही है। जनता को रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई से राहत चाहिए, लेकिन राजनीतिक विमर्श लगातार सत्ता हासिल करने और सत्ता बचाने की लड़ाई में उलझा रहता है। आर्थिक मोर्चे पर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का सहारा लेना पड़ा है। इसका अर्थ

करना कठिन था कि कोई विशेष कोशिका उस गतिविधि का कारण भी है या नहीं। प्रकाश के माध्यम से चुनिंदा कोशिकाओं को नियंत्रित करने की तकनीक ने इस अंतर को समझने का अवसर दिया। अब वैज्ञानिक अधिक सूक्ष्मता से जांच सकते हैं कि किसी विशेष तंत्रिका समूह को सक्रिय करने अथवा उसकी गतिविधि रोकने से व्यवहार और शारीरिक प्रतिक्रिया में क्या परिवर्तन आता है। इस प्रकार मस्तिष्क का अध्ययन केवल देखने की प्रक्रिया से आगे बढ़कर कारण और परिणाम के संबंधों को समझने की दिशा में बढ़ा है। फिर भी वैज्ञानिक आशा और वास्तविक चिकित्सा उपलब्धि के बीच का अंतर समझना उतना ही आवश्यक है। विशेषकर मनुष्य के मस्तिष्क में इस तकनीक के सुरक्षित उपयोग के लिए अनेक वैज्ञानिक, चिकित्सकीय और नैतिक चुनौतियों का समाधान आवश्यक है। इसी प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मस्तिष्क के संबंधों में इस अनुसंधान की उपयोगिता की संभावनाएं हो सकती हैं, लेकिन प्रत्येक संभावित लाभ को स्थापित उपलब्धि मान लेना विज्ञान की गंभीरता के अनुकूल नहीं है। वास्तविक वैज्ञानिक दृष्टि वही है जो आशा को जीवित रखे, लेकिन तथ्यों के प्रति ईमानदार भी बनी रहे। यहां इस खोज की तुलना विज्ञान की उन अन्य उपलब्धियों से भी की जा सकती है, जिन्होंने मानव जीवन की दिशा बदल दी। टीकों ने संक्रामक रोगों से बचाव के न् रास्ते खोले, प्रतिजैविक औषधियों

ने अनेक प्राणघातक संक्रमणों के उपचार को संभव बनाया और आधुनिक शल्य चिकित्सा ने असंख्य जीवन बचाए। इन उपलब्धियों की विशेषता केवल उनकी वैज्ञानिक नवीनता नहीं थी, बल्कि उनका व्यापक सामाजिक प्रभाव भी था। दूसरी ओर, विज्ञान की कुछ खोजों को प्रयोगशाला से सामान्य जीवन तक पहुंचने में दशकों लगे। मस्तिष्क संबंधी अनुसंधान भी इसी लंबी यात्रा का हिस्सा है। इसका वास्तविक मूल्य तभी सामने आएगा, जब इससे प्राप्त ज्ञान सुरक्षित उपचारों, सुलभ चिकित्सा और रोगियों के जीवन में ठोस सुधार का आधार बनेगा। विज्ञान की महानता केवल किसी रहस्य को खोलने में नहीं, बल्कि उस ज्ञान को मानवता के हित में उपयोग करने में निहित है। इस संदर्भ में नोबेल पुरस्कार का महत्व भी नए सिरे से समझने की आवश्यकता है। यह सम्मान किसी वैज्ञानिक की व्यक्तिगत उपलब्धि का उत्सव भर नहीं होता, बल्कि उन वर्षों के परिश्रम, जिज्ञासा, असफलताओं और धैर्य की स्वीकृति भी होता है, जिनके बिना कोई महत्वपूर्ण खोज संभव नहीं होती।

इस खोज का एक नैतिक और दार्शनिक पक्ष भी है। मनुष्य का मस्तिष्क केवल विचारों और प्रतिक्रियाओं का केंद्र नहीं, बल्कि उसकी पहचान, अनुभवों और आत्मबोध से भी गहराई से जुड़ा है। यदि वैज्ञानिक किसी विशेष कोशिका समूह को सक्रिय या निष्क्रिय करके व्यवहार में परिवर्तन

ला सकते हैं, तो यह प्रश्न भी उठता है कि मस्तिष्क की गतिविधियों को नियंत्रित करने की हमारी क्षमता की सीमाएं क्या होनी चाहिए। रोगों के उपचार और मानवीय पीड़ा को कम करने के लिए ऐसी तकनीकों का विकास स्वागतयोग्य है, लेकिन इनके उपयोग में व्यक्ति की गरिमा, स्वतंत्रता, निजता और सहमति की रक्षा अनिवार्य है। किसी मनुष्य के विचारों और भावनाओं को समझने की वैज्ञानिक क्षमता का अर्थ यह नहीं हो सकता कि उसके मन पर नियंत्रण स्थापित करने का अधिकार भी प्राप्त हो गया। विज्ञान को जितनी शक्ति मिलती है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी उसके साथ जुड़ती है। भारत जैसे देश के लिए इन अनुसंधानों का संदेश विशेष महत्व रखता है। यहां बड़ी आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संकोच दूर करना और वैज्ञानिक अनुसंधान को सामान्य जनजीवन से जोड़ना बड़ी चुनौतियां हैं। मानसिक रोगों को कमजोरी या सामाजिक कलंक मानने के बजाय उन्हें संवेदनशीलता और चिकित्सकीय समझ के साथ देखने की आवश्यकता है। विज्ञान की नई खोजें तभी सार्थक होंगी, जब उनके लाभ केवल संपन्न वर्ग या विकासित देशों तक सीमित न रहें। अनुसंधान से विकसित होने वाले उपचार सुलभ, सुरक्षित और आर्थिक रूप से वर्गीय भी होने चाहिए। ज्ञान का वास्तविक लोकतंत्रीकरण तभी होगा, जब समाज का कमजोर से कमजोर व्यक्ति भी उससे लाभ प्राप्त कर

सके।

अंततः मस्तिष्क के रहस्यों को समझने की यह यात्रा हमें केवल मनुष्य की जैविक संरचना के बारे में नई जानकारी नहीं देती, बल्कि हमारी सभ्यता के उद्देश्य पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। जिस बुद्धि के बल पर मनुष्य ने प्रकृति को समझा, उसी बुद्धि का सर्वोच्च उपयोग दूसरों की पीड़ा को समझने और कम करने में होना चाहिए। प्रकाश का वास्तविक अर्थ केवल अंधकार को हटाना नहीं, बल्कि जीवन को देखने की दृष्टि बदलना भी है। एक छोटे से शीवाल में छिपी वैज्ञानिक संभावना से लेकर मानव मस्तिष्क की जटिल गतिविधियों तक फैली यह यात्रा हमें विनम्रता, धैर्य और जिज्ञासा का संदेश देती है। यह याद दिलाती है कि प्रकृति के रहस्य असीम हैं और मनुष्य का ज्ञान अभी अधूरा है। इसलिए विज्ञान की हर नई उपलब्धि को अंतिम उत्तर नहीं, बल्कि बेहतर प्रश्न पछुने और अधिक मानवीय समाधान खोजने का अवसर मानना चाहिए। किसी भी खोज की सर्वोच्च सफलता तब होगी, जब वह प्रयोगशाला की सीमाओं से निकलकर पीड़ित मनुष्य के जीवन में राहत, निराश व्यक्ति के जीवन में आशा और समाज में अधिक संवेदनशीलता का संचार करे। यही विज्ञान की मानवीय कसौटी है और यही वह नई दृष्टि है, जिसकी आज पूरी दुनिया को आवश्यकता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



मे़ष राशि: मे़ष राशि वालों आज का दिन आपके लिए बढिया़ रहने वाला है। आज बच्चों को करियर के मामले में कोई बड़ी खुशख़बरी मिलेगी। अपने से बड़ों की बातें ग़ौर से सुनें, भविष्य में आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगी। युवाओं को बढिया़ नौकरी मिलने की संभावना बन रही है। कारोबार में तरक्की के अवसर मिलेंगे। इस राशि के लोग राजनीति से जुड़े हैं, उन्हें पुराने किए गए कार्यों से वाह वाही मिलेगी। शुभ अंक – 5

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। करियर को बढ़ाने में किए गए प्रयासों के चलेते लाभ होंगा। संतान की सफलता के कारण घर में खुशी का माहौल बना रहेगा। भाई और बहनों का सहयोग आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। शाम को जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बीतेगा। अच्छे काम किसी जरूरी काम में अपनी माता की मदद मांगेंगे, जिससे उन्हें फ़ायदा पड़ेगा। शुभ अंक – 6

मिथुन राशि: कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको ठंडे दिमाग से सोचने की ज़रूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई किसी काम में आपकी मदद करेंगे। समाज में आप आप बढिया़ कामों के कारण पहचाने जाएंगे। छात्रों को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। शुभ अंक – 8

कर्क राशि: आज कौंधे जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता के ज़रिए व्यापार में दी हुई जिम्मेदारियाँ आप आसानी से निभा लेंगे, पिताजी आपसे बहुत खुश होंगे। इस राशि के जो लोग मूर्ति बनाने के काम से जुड़े हैं, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फ़ायदा होगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। मां शैलपुत्री के सामने करुण जलाएं, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।शुभ अंक – 7

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। आज आपको किसी महत्वपूर्ण चर्चा में शामिल होने का मौका मिलेगा, जिसमें आपकी सहभागिता अच्छी खासी रहेगी। ज़िम ट्रेनर को आज अच्छे ग्राहक मिलेंगे। आपका व्यावसायिक कौशल में तेज़ी आएगी और आप एक मजबूत भावना के साथ पेशेवर दौड़ में खुद को आगे पाएंगे। शुभ अंक – 4

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में आपका वर्कलोड बढ़ सकता है, आज आपको किसी करीबी से कोई ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फ़ायदा होगा। आज आपको जीवनसाथी से कोई उपहार मिलेगा। स्पोर्ट्स से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन सफलता दिलाते वाला है। मां शैलपुत्री के सामने घी का दीपक जलाएं, कार्यों में सफलता मिलेगी। शुभ अंक – 9

तुला राशि: आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएंगे। छात्र किसी खास मामले में एकांत और शांति से विचार करेंगे, जिसे पाकर आपको खुशी महसूस होगी। मां दुर्गा के आगे हाथ जोड़ें, करियर में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे। शुभ अंक – 1

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आया है। आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फ़ायदा होगा। आज दोस्तों के साथ फ़ोन पर बात करके समय बिताएंगे। जो लोग बैंकिंग फ़ील्ड में कार्य करते हैं, वे आज अपना काम बहुत ज़ल्द निपटा लेंगे। शुभ अंक – 7

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। बिजनेस में कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। आज आप कुछ नया काम शुरू करने की सोच सकते हैं, लेकिन शुरू करने से पहले आपनों से बड़ों की सलाह जरूर ले लें। किसी कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में रहेगा। अगर आप लोन लेना चाहते हैं, तो आज का दिन अच्छा है। शाम का समय भाई बहनों के साथ हंसी मजाक में बीतेगा। शुभ अंक – 5

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आपका पूरा ध्यान अपने कार्यों को पूरा करने में लगा रहेगा। अपनी सकारात्मक सोच को सार्थक कार्मों में लगाएंगे, इससे आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। जो लोग डांस सीखना चाहते हैं, वे शौशल मीडिया की मदद से सीखेंगे। आज घर पर किसी चीज की मरम्मत करानी पड़ सकती है। महिलाओं को घर के कार्यों से राहत मिलेगी। शुभ अंक – 6

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज इस बात का खास ख्याल रखें कि दूसरों से तभी दोस्ती करें, जब उनके बारे में पूरी जानकारी कर लें और उन्हें भली भांति समझ लें। अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पिता आपके बिजनेस में आपका सहयोग करेंगे। आज ऑफिस में लोग आपकी पर्सनालिटी की तारीफ करेंगे। नवविवाहित दंपति को आज धूमने जाने का मौका मिलेगा। शुभ अंक– 6

मीन राशि:मीन राशि वालों आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। आज आपको पहल किए गए छोटे मोटे कार्यों से सकारात्मक परिणाम मिलेगा। सफलताएं छोटी ही सही, लेकिन निरंतर बनी रहेंगी।

संशोधित ईपीएफ सीमा और समाजिक सुरक्षा तंत्र का निर्माण, कदम-दर-कदम आगे बढ़ते हुए

वी. अनंत नागधरवरन और सुश्रुति सिंह

विवेककर्मा जयंती पर, कामगारों और शिल्पकारों का सम्मान करने वाले इस पर्व के अवसर पर सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने के बहुत समय से लंबित निर्णय की घोषणा की। कोई पृष्ठ सकता है कि सीमा में 10,000 रुपये की वृद्धि से आखिर क्या बदलाव आएगा? इस संशोधन की आवश्यकता क्यों है और इसका कर्मचारी या नियोक्ता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तो आइए, मूल बातों से शुरुआत करते हैं।

25,000 रुपये की यह वैधानिक वेतन सीमा अनिवार्य ईपीएफ, कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) और कर्मचारी जमा-लिंकड बीमा (ईडीएलआई) कवरेज के लिए सीमा का काम करती है। ये तीनों योजनाएं भारत में वेतनभोगी कामगारों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र के मूल आधार हैं: सेवानिवृत्ति/आपातकालीन निधि; नियोक्ता के अंशदान से वित्तपोषित पेंशन निधि, जिससे सेवानिवृत्ति के बाद भुगतान किया जाता है; और जीवन बीमा, जिसे नियोक्ता के अंशदान से ही वित्तपोषित किया जाता है, जिससे

कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को सहायता मिल सके। पूर्णतः उचित यह है कि सामाजिक सुरक्षा को साल 2014 से स्थिर किसी संख्या पर आधारित न रखा जाए, जबकि इस अवधि में वेतन, न्यूनतम मजदूरी और जीवन-यापन की लागत लगातार बढ़ती रही है। पिछली वेतन सीमा के तहत, 15,000 रुपये से अधिक मासिक वेतन पर नौकरी शुरू करने वाला कोई भी नया कर्मचारी अनिवार्य ईपीएफ कवरेज से बाहर हो जाता था, ईपीएस के लिए पात्र नहीं होता था और ईडीएलआई के संरक्षण से भी वंचित रहता था। किसी मौजूदा कर्मचारी का वेतन समय के साथ इस सीमा से अधिक हो जाने पर कवरेज समाप्त नहीं होती थी, लेकिन ईपीएस के तहत पेंशन योग्य वेतन 15,000 रुपये पर ही सीमित रहता था। कोई यह तर्क दे सकता है कि अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारी इसके बजाय स्वेच्छिक कवरेज का विकल्प चुन सकते हैं। इस तर्क में समस्या यह है कि सीमा से अधिक वेतन पर स्वेच्छिक नामांकन के लिए संयुक्त विकल्प के तहत नियोक्ता की सहमति आवश्यक होती है, जिससे यह विकल्प सुनिश्चित अधिकार के बजाय सौदेबाजी का विषय बन जाता है। बड़ी हुई वेतन सीमा के साथ, यह कवरेज सौदेबाजी

का विषय न रहकर अधिकार बन जाएगा। बड़ी हुई वेतन सीमा कामगारों से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान तो नहीं करती, लेकिन यह औपचारिक सामाजिक सुरक्षा तंत्र को थोड़ा अधिक न्यायसंगत और थोड़ा व्यापक जरूर बनाती है। 10,000 रुपये की वृद्धि भले ही मामूली लगती हो, लेकिन अब सामाजिक सुरक्षा तंत्र के दायरे में आने वाले अतिरिक्त 51 लाख कामगारों की संख्या मामूली नहीं है। और अधिकांश अधिकारों के विपरीत, इस अधिकार का लाभ लेने के लिए कामगार को अपनी ओर से कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है।

मनुष्य अपने भविष्य की कल्पना करने और उसके लिए तैयारी करने में खास अच्छे नहीं होते। 65 वर्ष की उम्र के अपने भावी स्वयं के लिए कोई बचट नहीं बनाता। हम अक्सर उस छोटे लाभ को चुनते हैं जो जल्दी मिल जाय, बजाय उस बड़े लाभ के जो देर से मिले। व्यवहार अर्थशास्त्र में इसे 'हाइपरबोलिक डिस्काउंटिंग' कहा जाता है। परिणामस्वरूप, सीमित आय में तत्काल उपभोग की जरूरतों को पूरा करने की तुलना में भविष्य में अपने लिए या किसी भावी परिस्थिति के लिए बचत करना और कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में

द्वारा संचालित अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा अंशदान जैसी व्यवस्थाओं की रूपरेखा महत्वपूर्ण है। यह बचत के लिए कामगारों की इच्छा या इच्छाशक्ति पर निर्भर किए बिना काम करती है। पहले के कामगार के खाते में पहुंचने से पहले ही पेंशन के लिए अंशदान अलग रख दिया जाता है—जो पैसा कभी दिखाई ही नहीं देता, उसे खर्च करना संभव नहीं होता। और धीरे-धीरे, हर महीने वेतन का एक छोटा हिस्सा अलग रखा जाता है, जिससे सेवानिवृत्ति निधि तैयार होती है, जिसका उपयोग आपातकाल में भी किया जा सकता है, साथ ही जीवन बीमा का कवरेज भी मिलता है—वह भी आपके पास है, साथ से बिना कोई अतिरिक्त प्रयास किए।

हालांकि, इस संशोधन के साथ नियोक्ताओं के लिए एक लागत भी जुड़ी हुई है। अनिवार्य वेतन सीमा अब बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने के साथ, नियोक्ताओं को काफी अधिक संख्या में कर्मचारियों को वैधानिक ईपीएफ कवरेज प्रदान करनी होगी और उनके मासिक अंशदान संबंधी दायित्व भी बढ़ जाएंगे। उदाहरण के लिए, 22,000 रुपये प्रति माह कमाने वाला ऐसा कर्मचारी, जो पहले अनिवार्य कवरेज से बाहर था, अब वैधानिक रूप से ईपीएफ कवरेज के दायरे में

आएगा और नियोक्ता के लिए इस कर्मचारी को ईपीएफ कवरेज प्रदान करना अनिवार्य होगा। अब नियोक्ता को वेतन का 12 प्रतिशत अंशदान करना होगा, जो ईपीएस पेंशन योजना के अंतर्गत है और कर्मचारी के अपने ईपीएफ खाते के बीच विभाजित होगा। यह राशि प्रति कर्मचारी प्रति माह 2,640 रुपये या वार्षिक 31,680 रुपये होगी। ऐसे 20 कर्मचारियों के मामले में, यह अतिरिक्त पैसा लगाने के रूप में प्रति वर्ष 6,33,600 रुपये होगी। इसके अलावा, ईडीएलआई बीमा अंशदान भी होगा, जो राशि में भले ही छोटा है, लेकिन अब इसकी गणना भी अधिक वेतन आधार पर की जाएगी। निवृत्ति संबंधी निर्णय लेते समय यह नियोक्ताओं के लिए एक वास्तविक लागत है। अधिक लागत कंपनी के लिए एक स्पष्ट निष्कर्ष प्रतीत होती है, लेकिन यह केवल प्रारंभिक प्रभाव है और रोजगार बाजार इससे नहीं है, अधिक जटिल है। अधिक ईपीएफ कवरेज भर्ती के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में काम करेगा है, जिससे अधिक कुशल और अधिक कार्य-क्षमता वाले कामगार आकर्षित होते हैं, क्योंकि नए कर्मचारी किसी नौकरी का मूल्यांकन करते समय केवल मासिक वेतन को ही ध्यान में नहीं रखते। यह कवरेज कर्मचारियों को लंबे समय

तक बनाए रखने में भी सहायक हो सकती है। पेंशन और बीमा लाभ वाला कामगार संभवतः अधिक समय तक काम पर बना रहेगा और नौकरी की शुरुआत थोड़ी अधिक सुरक्षा के साथ करेगा। दूरदर्शी नियोक्ता पहले से ही इसे समझते हैं और अच्छी प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए स्वेच्छिक कवरेज प्रदान करते हैं। सामाजिक सुरक्षा की अवधारणा यह है कि यह ईपीएफ की तरह न केवल आर्थिक संभालती है, बल्कि फिर से उछलकर आगे बढ़ने में भी सक्षम बनाती है। इस व्यवस्था का मूल उद्देश्य कामगारों को ऐसा कुछ उपलब्ध कराना है, जिससे वे आपातकाल के समय या सेवानिवृत्ति के बाद आवश्यकता पड़ने पर धन प्राप्त कर सकें, जिससे कोई अस्थायी संकट जीवनभर की कठिनाई का रूप न ले और उन्हें ऋण-जाल में न फंसाए। आयुमान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसे पहलें, जिन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बनाया है, इस सुरक्षा तंत्र को और मजबूत बनाती हैं। बरुलेतें रोगाणु रस्व रद्द हो तु तैयारी करने के लिए मजबूत उद्योग संपर्कों के साथ, कौशल उन्नयन, पुनःकौशल विकास और नव कौशल विकास के लिए कौशल विकास पारितंत्र का निर्माण किया जा रहा है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूज़, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार -कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार -845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूर्ज” फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (“पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के रचन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBL/2022/88070



रणजी ट्रॉफी : मोहम्मद सिराज की अगुआई में हैदराबाद ने त्रिपुरा को पारी और 40 रन से रौंदा

एजेंसी, हैदराबाद

मोहम्मद सिराज की अगुआई में हैदराबाद ने रणजी ट्रॉफी 2026-27 के अपने अभियान का शानदार आगाज करते हुए त्रिपुरा को पारी और 40 रन से हरा दिया। मैच के तीसरे दिन मंगलवार को त्रिपुरा की टीम अपनी दूसरी पारी में केवल 14 रन जोड़कर शेष तीन विकेट गंवा बैठी। इसके साथ ही हैदराबाद ने बड़ी जीत दर्ज की। तीसरे दिन का खेल शुरू होने पर त्रिपुरा का स्कोर सात विकेट पर 107 रन था। टीम ने इसके बाद 6.2 ओवर में केवल 14 रन जोड़े और उसके बाकी तीनों बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। हैदराबाद ने दूसरे दिन ही मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी। तनमय अग्रवाल और पदार्पण कर रहे रूथिक यादव के अर्धशतकों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। त्रिपुरा की दूसरी पारी शुरुआत से ही दबाव में रही। हैदराबाद के



गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर बल्लेबाजों को टिकने

का मौका नहीं दिया। सिराज और रूथिक यादव ने भी विकेट हासिल

किए। हालांकि, अंतिम सत्र में सेंद्र सरकार और परवेज सुल्तान ने कुछ देर तक संघर्ष करते हुए हैदराबाद की पारी से जीत हासिल करने की कोशिश को टाल दिया, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। हैदराबाद की जीत में बाएं हाथ के स्पिनर तनय त्यागराजन की अहम भूमिका रही। उन्होंने दूसरी पारी में छह विकेट झटके और पूरे मैच में नौ विकेट लेकर अपना प्रभाव छोड़ा। सिराज पहली पारी में कोई विकेट नहीं ले सके थे, लेकिन दूसरी पारी में उन्होंने दो बल्लेबाजों को आउट किया। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने 294 रन बनाए, जवाब में त्रिपुरा की पहली पारी 134 और दूसरी पारी केवल 120 रनों पर सिमट गई। इस तरह हैदराबाद ने मैच 1 पारी और 40 रन से अपने नाम किया। हैदराबाद ने इस जीत के साथ रणजी ट्रॉफी के नए सत्र में अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं।

एकदिवसीय विश्वकप 2027 में इन तीन खिलाड़ियों को खेलते देखना चाहते हैं आमला

एजेंसी, जौहान्सबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर हाशिम अमला ने साल 2027 के आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप को लेकर अपने पसंदीदा तीन दिग्गज क्रिकेटरों के नाम साझा किये हैं जिन्हें व विश्वकप में खेलते हुए देखना चाहते हैं। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का नाम शामिल नहीं है। अमला ने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों में भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया का एक-एक खिलाड़ी शामिल किया है पर आमला की इस सूची में विराट का नाम नहीं होने से प्रशंसक हैरान हैं



ही रोहित को भी एकदिवसीय क्रिकेट और विश्व कप में रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। वह एकदिवसीय ग्राह्पू में भारत के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं और विश्व कप इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में भी तीसरे स्थान पर हैं। अमला ने अपनी पसंद का खुलासा करते हुए कहा, "ब्रेविस एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया से मुझे टेविस हेड पसंद हैं। वह काफी समय से खेल रहे हैं और असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जिस तरह से वह खेलते हैं, उसे देखना बहुत सुखद है। भारत से रोहित को मुझे खेलते देखना बेहद पसंद है।

कल खुलेगा फ्यूजन सीएक्स का आईपीओ, 16 अक्टूबर तक लगाई जा सकेगी बोली

एजेंसी, नई दिल्ली

डिजिटल कस्टमर एक्सपीरियंस और बिजनेस प्रोसेस मैनेजमेंट सॉल्यूशन प्रदान करने और विभिन्न उद्योगों को तकनीकी सेवाएं देने वाली कंपनी फ्यूजन सीएक्स लिमिटेड का 702 करोड़ रुपये का आईपीओ कल यानी 14 अक्टूबर को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया जाएगा। इस आईपीओ में निवेशक 16 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 19 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 21 अक्टूबर को अलॉटिड शेयर निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 22 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 275 रुपये से लेकर 289 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 51 शेयर का है। इस आईपीओ में खुदरा निवेशक (रिटेल इन्वेस्टर्स) कम से कम एक लॉट



यानी 51 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,739 रुपये का न्यूनतम निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर अधिकतम 1,91,607 रुपये के निवेश से 13 लॉट में 663 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत पांच रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,42,90,657 शेयर जारी किए जा रहे हैं।

इनमें लगभग 500 करोड़ रुपये के 1,73,01,038 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 202 करोड़ रुपये के 69,89,619 शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व

किया गया है। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 10 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रखा गया है। इस पूरे इश्यू के लिए नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेकनॉलॉजी लिमिटेड को रीजस्ट्रार नियुक्त किया गया है। फ्यूजन सीएक्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए दस्तावेजों में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कंपनी की वित्तीय सेहत में पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान शानदार सुधार हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 36.26 करोड़ रुपये का शुद्ध

लाभ (प्रॉफिट आफ्टर टैक्स) हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 74.31 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछलकर 169.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 55.70 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्रगति में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 1,021.53 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1,352.03 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की कुल राजस्व प्रगति में और इजाफा हुआ, जिससे यह बढ़कर 1,851.83 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी 30 जून 2026 तक कंपनी को 503.85 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हो चुका था।

सेमीकंडक्टर विनिर्माण में वैश्विक भूमिका निभाने की स्थिति में भारत : एन. चंद्रशेखरन

एजेंसी, नई दिल्ली

एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि सेमीकंडक्टर भारत के भविष्य के लिए बहुत जरूरी होंगे। देश में कुशल प्रतिभाओं, बड़े घरेलू बाजार और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी की संभावनाओं को देखते हुए भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की स्थिति में है। एन. चंद्रशेखरन ने 'ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम-2026' में अपने संबोधन के दौरान कहा कि 160 साल पुराने टाटा समूह की प्रार्थमिकता ऐसे उद्योग में अपनी जगह बनाता है, जिसकी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए बुनियादी रूप से आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में हमारे पास बहुत अच्छी स्थिति है, क्योंकि हमारे पास प्रतिभाएं हैं, घरेलू बाजार है और हम हर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस क्षेत्र का पूरा परिवेश विकसित करने में साझेदारी के महत्व पर जोर देते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि जरूरी प्रौद्योगिकियां हासिल करने के लिए भारत को वैश्विक कंपनियों के साथ मिलकर काम करना होगा। साथ ही ऊर्जा की जरूरतों पर भी कड़ीबी नजर रखनी होगी। टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि हमें साझेदारी की जरूरत है, क्योंकि हमारे पास सभी प्रौद्योगिकियां हैं। अगर आप इसे डिजाइन करते हैं, तो निश्चित रूप से हम वहां तक पहुंचेंगे। हालांकि आपको सावधान भी रहना होगा क्योंकि ऊर्जा पर नजर रखना जरूरी है।

वैभव व्यापार का आईपीओ लॉन्च, 21 अक्टूबर को हो सकती है लॉन्चिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

वेतनभोगी और स्व-रोजगार वाले ग्राहकों, विशेष रूप से पहली बार लोन लेने वाले और कम आय वर्ग के लोगों को लोनफ्रंट प्लेटफॉर्म के जरिए डिजिटल लोन सर्विस देने वाली फिनटेक कंपनी वैभव व्यापार लिमिटेड का 42.10 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में निवेशक 15 अक्टूबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 16 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 19 अक्टूबर को अलॉटिड शेयर निवेशकों के डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 21 अक्टूबर को एनएसई के एसएसई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लिचिंग के बाद पहले दिन दोपहर 1:45 बजे तक ये आईपीओ सिर्फ आठ प्रतिशत सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 51 रुपये से लेकर 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है।

आईएमएफ की रिपोर्ट प्रधानमंत्री के निर्णायक नेतृत्व एवं आर्थिक दृष्टिकोण का प्रमाण: खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बीच भारत का विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में निरंतर उभरना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व, दूरदर्शी नीतियों और सुधारोमुखी शासन का प्रमाण है। चांदनी चौक सांसद एवं कर्नेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने मंगलवार को यह बात कही। खंडेलवाल ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रेथ रेट में इजाफा करने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत की निरंतर आर्थिक प्रगति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संरचनात्मक सुधारों, नीतिगत स्थिरता, बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल परिवर्तन और घरेलू विनिर्माण को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के व्यापक प्रभाव को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस पर दिए जा रहे विशेष बल ने आर्थिक विस्तार, उद्यमिता और रोजगार सृजन के लिए एक मजबूत आधार को तैयार किया है। इससे घरेलू



उद्यमों, एमएसएमई, स्टार्टअप और उपभोक्ताओं का बढ़ता विश्वास भारत की आर्थिक गति को और मजबूती प्रदान कर रहा है। खंडेलवाल ने कहा कि भारत की मजबूत घरेलू मांग, विस्तारित डिजिटल अर्थव्यवस्था, बेहतर होती कर्नेक्टिविटी और दिन-ब-दिन बढ़ती उद्यमशीलता परिवेश भी देश को वैश्विक अनिश्चितताओं का आत्मविश्वास के साथ सामना करने में सक्षम बना रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था का लचीलापन देश के विशाल घरेलू बाजार और देशवासियों की आकांक्षाओं को भी दर्शाता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत केवल तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के भविष्य को आकार देने वाली एक

कैट ने यूपीआई पर प्रस्तावित एमडीआर शुल्क स्थगित करने का किया स्वागत

एजेंसी, नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क को स्थगित करने के केंद्र सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। कैट सीएमजी ने कहा कि त्योहारी एवं विवाह सीजन के दौरान केंद्र सरकार का यह निर्णय समयानुकूल और व्यावहारिक है। कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह निर्णय 30 सितंबर को हुई उस बैठक के बाद आया है, जिसमें कैट के नेतृत्व में लगभग 20 प्रमुख व्यापारिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला



सीतारमण से मुलाकात कर 2 हजार रुपये से ज्यादा के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेन-देन पर प्रस्तावित 0.40 फीसदी एमडीआर शुल्क के संभावित प्रभावों से अवगत

फाइनल्स में जगह बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "मुझे इस स्थिति की जानकारी है और निश्चित रूप से डब्ल्यूटीए फाइनल्स में जगह बनाना शानदार होगा। हमारा लक्ष्य भी यही है। यह पहली बार है जब मुझे फाइनल्स में जगह बनाने के लिए ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।" स्विघातेक ने कहा, "यह एक चुनौती है, लेकिन मुझे लगता है कि यह सकारात्मक चुनौती है और मैं इसके लिए काफी प्रेरित हूं। अभी कुछ टूर्नामेंट बाकी हैं।" स्विघातेक ने अपने खेल में किए गए बदलावों पर भी बात की। उन्होंने अप्रैल में विम फिसेट से अलग होने के बाद फ्रांसिस्को रोहा को अपना कोच नियुक्त किया था।



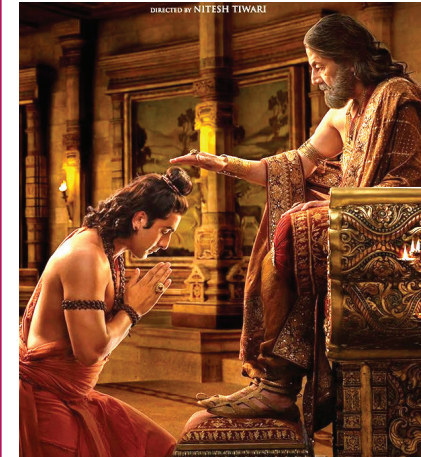
तक क्वालीफाई नहीं किया है। वुहान ओपन से पहले सोमवार को फनकारों से बातचीत में स्विघातेक ने स्वीकार किया कि वह क्वालीफिकेशन की स्थिति से परिचित हैं और डब्ल्यूटीए

के लिए इस बार का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। ऑस्ट्रेलियाई टीम अप्रैल के मध्य तक न्यूजीलैंड के खिलाफ दो श्रृंखलाओं की मेजबानी करेगी और श्रीलंका, भारत तथा दक्षिण अफ्रीका का दौरा भी करेगी। ऐसे में सदरलैंड ने अपनी जिम्मेदारियां कम कर मैदान पर प्रदर्शन को प्राथमिकता देने का फैसला किया है। टीम के नए मुख्य कोच रिचर्ड पायरह ने सदरलैंड के फैसले को स्वादना की। उन्होंने कहा, "एनाबेल के लिए यह पहचानना कि टीम के हित में उन्हें अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और कप्तानी से हट जाना चाहिए, बहुत साहस और विनम्रता की बात है।



फिर से नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगी। मेलबर्न स्टार्स अब तक महिला बिग बैश लीग का खिताब नहीं जीत सकी है और इस सत्र में टीम की नजर पहली ट्रॉफी पर होगी। सोमवार को 25 वर्ष की हुई सदरलैंड ने पिछले सत्र में मेलबर्न स्टार्स को दूसरी बार लीग के फाइनल में पहुंचाया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों

रामायण के नए पोस्टर रिलीज राजा दशरथ से अंतिम विदाई लेते दिखे श्रीराम बने रणबीर



भारतीय सिनेमा के इतिहास में शायद ही कोई ऐसा प्रोजेक्ट होगा, जिसे लेकर दर्शकों के मन में उतनी तीव्र उत्पुक्ता और भावनात्मक जुड़ाव देखा जा रहा हो, जितना नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही भव्य फिल्म ‘रामायण’ के प्रति है। भारतीय संस्कृति, आस्था और महाकाव्य की मूल आत्मा को बड़े पर्दे पर जीवंत करने के इस महाअभियान से जुड़े हर एक अपडेट पर देश-दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। इसी कड़ी में मेकर्स ने इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के कुछ नए और बेहद मार्मिक पोस्टर जारी किए हैं, जिन्होंने रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर एक अलग ही भावुक माहौल पैदा कर दिया है। इन पोस्टरों को देखकर न केवल राम भक्तों की आंखें नम हो रही हैं, बल्कि यह भी साबित हो गया है कि यह फिल्म केवल एक विजुअल स्पेक्टकल (दृश्य वैभव) नहीं, बल्कि भावनाओं का एक ऐसा समंदर है जो हर दर्शक के दिल को गहराई से झकझोर देगा। फिल्म के मुख्य अभिनेता रणबीर कपूर ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इन नए पोस्टरों को साझा किया, जिसके बाद से इंटरनेट पर इनकी चर्चा तेज हो गई है। जारी किए गए पहले पोस्टर में भगवान श्री राम और उनके पिता महाराज दशरथ के बीच के उस अत्यंत संवेदनशील और हृदयविदारक क्षण को उकेरा गया है, जिसकी कल्पना मात्र से मन विचलित हो जाता है। यह वह पल है जब मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अपने पिता के वचनों का मान रखने और कुल की मर्यादा को बचाने के लिए वोदह वर्षों के लंबे वनवास पर निकलने से ठीक पहले अपने पिता से अंतिम विदाई ले रहे हैं। इस पोस्टर में रणबीर कपूर, श्रीराम के रूप में जमीन पर घुटनों के बल बेहद शालीनता और अगाध सम्मान के साथ अपने पिता को नमन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके

चेहरे पर किसी भी प्रकार के संताप या पछतावे के बजाय केवल अपने पिता और वचन के प्रति अटूट कर्तव्य का भाव झलकता है। दूसरी ओर, भारतीय टेलीविजन के इतिहास में श्रीराम के रूप में अमर हो चुके दिग्गज अभिनेता अरुण गोविल इस बार राजा दशरथ की भूमिका में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राजा दशरथ बने अरुण गोविल के चेहरे पर एक पिता की वह लाचारी, विवशता और भीतर तक टूट जाने का दर्द साफ पढ़ा जा सकता है, जो अपने सबसे प्रिय पुत्र को अपने ही वचनों के बंधनों के कारण दूर भेजने को विवश हैं। वे अपने हाथ उठाकर श्रीराम को भारी मन से आशीर्वाद देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दृश्य की तीव्रता इतनी अधिक है कि इसे देखने वाला हर दर्शक उस प्राचीन काल की वेदना को अपने भीतर महसूस करने लगता है। इस पोस्टर के साथ लिखा गया कैप्शन इस पूरी परिस्थिति के सार को बेहद खूबसूरती से बयां करता है। कैप्शन में लिखा है— “एक पिता, जो वादे से बंधा है। एक बेटा, जो कर्तव्य से बंधा है। किसी को नहीं पता था कि ये विदाई आखिरी होगी।” यह एक ऐसी पंक्ति है जो न केवल इस दृश्य के मर्म को समझाती है, बल्कि आने वाली उन तमाम घटनाओं की ओर भी इशारा करती है जो इस महाकाव्य के सबसे बड़े मोड़ों में से एक साबित होने वाली हैं। इस एक पोस्टर में केवल एक नहीं, बल्कि दो अलग-अलग पोस्टरों को जगह दी गई है, और दूसरा पोस्टर इस कहानी के एक अन्य अत्यंत गंभीर और दुखद अध्याय को सामने लाता है। दूसरे पोस्टर में श्रीराम एक शांत और पवित्र नदी के बीच जल में खड़े होकर अपने पिता की आत्मा की शांति के लिए जल तर्पण और अस्थि विसर्जन करते हुए नजर आ रहे हैं। इस दृश्य के चारों ओर फैली अनुकूई हरियाली, शांत वातावरण और तस्वीर की सादगी इस पल की गंभीरता को कई गुना बढ़ा देती है। एक पुत्र द्वारा अपने पिता की चिता को अग्नि देने और उनकी अस्थियों को विसर्जित करने का यह दृश्य इतना सहज और प्राकृतिक है कि यह किसी भी दर्शक की आंखें नम करने के लिए काफी है। यह इस बात का प्रतीक है कि जीवन के तमाम संघर्षों और कर्तव्यों के बीच भी एक पुत्र का अपने पिता के प्रति प्रेम और सम्मान कितना अटूट और पवित्र होता है।



इंटरनेट सेंसेशन मिस्टर फैसू ने किया निकाह

इंटरनेट सेंसेशन फैसल शेख, जिन्हें मिस्टर फैसू के नाम से जाना जाता है, ने एक दिल को छू लेने वाली सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी शादी की घोषणा कर अपने लाखों प्रशंसकों को चौंका दिया है। उन्होंने अपनी पत्नी के साथ खूबसूरत तस्वीरें साझा करते हुए बताया कि इस जोड़े ने सऊदी अरब के पवित्र शहर मदीना में अपने पूरे परिवार की मौजूदगी में निकाह किया। अपनी खुशी व्यक्त करते हुए, मिस्टर फैसू ने भावुक कैप्शन में लिखा, और हमने तुम्हें जोड़ों में बनाया है।

अल्हमुदिल्लाह, एक सपना सच हो गया। मदीना के खूबसूरत शहर में, मेरे पूरे परिवार के साथ निकाह। यह एक ऐसा आशीर्वाद है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अपने नोट में, मिस्टर फैसू ने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों से गुजारिश की कि वे इस जोड़े को अपनी दुआओं में याद रखें क्योंकि वे एक साथ अपनी नई जिंदगी की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने एक प्रार्थना के साथ अपनी बात समाप्त की, अल्लाह हमारी शादी को बेपनाह प्यार और बरकत से नवाजे। आमीन।

शेफाली बग्गा ने दी सफाई

टेलीविजन स्पॉट्स प्रेजेंटर और बिग बॉस फेम शेफाली बग्गा, जिनकी महादेव बेटिंग ऐप मामले में कथित भूमिका की जांच हो रही थी, ने इस हाई-प्रोफाइल मामले में अपनी भूमिका पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अनजाने में बेटिंग ऐप को प्रमोट किया और जांच में अधिकारियों का पूरा सहयोग किया है। एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) की हालिया चार्जशीट के अनुसार, इस मामले में पृच्छाछ के बाद शेफाली बग्गा ने 1.20 करोड़ रुपये जमा कर दिए। उन पर महादेव प्लेटफॉर्म पर बेटिंग ऐप्स को प्रमोट करने के लिए यह रकम लेने का आरोप था। शेफाली बग्गा ने एक बयान में कहा, मेरा रोल सोशल मीडिया पर कुछ ब्रांड्स को अनजाने में प्रमोट करने तक ही सीमित था, जैसा कि कई मशहूर हस्तियां और सेलिब्रिटी करते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि उन ब्रांड्स या किसी अन्य संस्था से जुड़ी गतिविधियों या कामकाज



में उनकी कोई भूमिका या जुड़ाव नहीं था। उन्होंने बताया कि उन्होंने विभाग की जांच में सहयोग किया है, पैसे जमा कर दिए हैं और उन्हें देश के कानून पर पूरा भरोसा है।

उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती

श्रेया सरन ने की दृश्यम 3 को-स्टार अजय देवगन की तारीफ

दृश्यम फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म दृश्यम: द कन्वल्जन्स को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की। श्रेया सरन ने कहा, अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं। श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अंशुासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा,



अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है। अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी

तारीफ की। उन्होंने कहा, अभिषेक पाठक ने दृश्यम फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और रिस्कट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं। श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की और कहा, मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूं और जानती हूं कि यह किरदार किस तरह सोचाता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी। दृश्यम फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाते हैं और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके।



नेहा धूपिया के शुरुआती दिन: ‘जूली’ की शूटिंग के दौरान मां की सुरक्षा और संजय कपूर का खास ख्याल

वर्ष 2004 में रिलीज हुई फिल्म ‘जूली’ की शूटिंग के दौरान अभिनेत्री नेहा धूपिया की मां अक्सर सेट पर मौजूद रहती थीं, लेकिन वह अपने कमरे से बाहर नहीं आती थीं। फिल्म इंडस्ट्री में नेहा धूपिया ने अपने शुरुआती दिनों से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि उस समय अभिनेता संजय कपूर उनकी मां का खास ख्याल रखते थे और उन्हें सहज महसूस कराने की कोशिश करते थे। अभिनेत्री के मुताबिक, संजय अपने काम की व्यस्तताओं के बीच भी उनकी मां के लिए समय निकालते थे। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो ‘डबल डेट’ में हाल ही में संजय कपूर और उनकी पत्नी महीप कपूर शामिल हुए। बातचीत के दौरान नेहा ने ‘जूली’ की शूटिंग के दिनों को याद किया और बताया कि उस समय उनकी मां सेट पर आती थीं, लेकिन लोगों के बीच जाने के बजाय कमरे में ही रहना पसंद करती थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी मां को किसी के बुलाने या आमंत्रित करने की जरूरत नहीं थी। वह चाहती थीं कि नेहा अपने काम पर पूरा ध्यान दे सकें। नेहा ने कहा कि संजय कपूर इस दौरान उनकी मां के प्रति काफी संवेदनशील थे। वह निर्देशक और निर्माता के साथ



काम संभालने के अलावा उनकी मां के पास भी जाते थे और उनसे बातचीत कर उन्हें सहज महसूस कराने का प्रयास करते थे। अभिनेत्री ने संजय के व्यवहार की तारीफ करते हुए कहा कि वह इन सभी जिम्मेदारियों के बीच बहुत अच्छी तरह तालमेल बिठाते थे। नेहा ने यह किस्सा साझा करते हुए फिल्म की शूटिंग के दौरान मिले सहयोग को याद किया। फिल्म इंडस्ट्री में किसी कलाकार के शुरुआती दिनों में परिवार की मौजूदगी और सहयोग महत्वपूर्ण हो सकता है। नेहा के अनुभव से पता चलता है कि सेट पर काम करने वाले लोगों का व्यवहार कलाकार के साथ-साथ उसके परिवार के लिए भी सहज माहौल बनाने में मददगार हो सकता है। नेहा धूपिया और संजय कपूर इससे पहले फिल्म ‘क्यामत: सिटी अंडर थ्रेट’ में भी साथ काम कर चुके हैं। दोनों कलाकारों के बीच कामकाजी परिचय पहले से रहा है। फिल्म ‘जूली’ वर्ष 2004 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन दीपक शिवदासानी ने किया था, जबकि एन. आर. पंचिसिया फिल्म के निर्माता थे। इसमें नेहा धूपिया के साथ प्रियांशु चटर्जी, यश टॉक, संजय कपूर और अचिंत कौर ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की कहानी जूली और मिहिर नाम के एक प्रभावशाली कारोबारी के इर्द-गिर्द घूमती है। मिहिर की जूली से प्यार हो जाता है, जो वेश्यावृत्ति के पेशे से जुड़ी होती है। जब मिहिर उससे शादी का प्रस्ताव रखता है, तो जूली अपने अतीत और पेशे को लेकर असमंजस में पड़ जाती है।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की ‘रणबाली की अवधि हुई 2 घंटे 50 मिनट, 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

दक्षिण भारतीय सिनेमा के चर्चित अभिनेता विजय देवरकोंडा और अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपनी आगामी फिल्म ‘रणबाली के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। राहुल संकृतियन के निर्देशन में बनी यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा के विशेष अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर और ट्रेलर को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिलने के बाद इसके प्रचार को लेकर भी उत्साह बढ़ गया है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच बढ़ती दिलचस्पी के बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के बेटे और राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने भी इसके ट्रेलर की तारीफ की है। उनकी प्रतिक्रिया से फिल्म के निर्माताओं में खुशी का माहौल है। फिल्म के प्रचार के दौरान पत्रकारों से बातचीत में विजय देवरकोंडा ने इसकी अवधि को लेकर जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि फिल्म का शुरुआती संस्करण 3 घंटे 20 मिनट से अधिक लंबा था। हालांकि, संपादन के बाद इसकी अंतिम अवधि घटाकर 2 घंटे 50 मिनट कर दी गई है। फिल्म की कहानी, कलाकारों के अभिनय और बड़े स्तर पर तैयार किए गए दृश्यों को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म के प्रचार अभियान के दौरान इसकी अवधि से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद अब दर्शकों की निगाहें इसकी रिलीज पर



टिकी हैं। ‘रणबाली में विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना फिल्म में उनकी पत्नी जयम्मा का किरदार निभा रही हैं। दोनों कलाकारों की जोड़ी पहले भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय रही है और इस फिल्म में उन्हें एक बार फिर साथ देखने का अवसर मिलेगा। फिल्म में अभिनेता अर्नोल्ड वोस्लू भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। ‘ममी फिल्म में अपने अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले वोस्लू इसमें क्रूर ब्रिटिश अधिकारी सर थियोडोर हैन्डर के किरदार में नजर आएंगे। उनके खलनायक वाले रूप को फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में से एक माना जा रहा है। फिल्म का संगीत प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी

अजय-अतुल ने तैयार किया है। फिल्म को बड़े स्तर पर मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित किया जा रहा है। वहीं, विदेशों में इसके वितरण की तैयारियां भी जारी हैं। जानकारी के अनुसार, अमेरिका में सशुल्क विशेष प्रदर्शन के लिए वितरकों ने सभी पास उपलब्ध करा दिए हैं। ‘टैक्सीवाला जैसी फिल्म का निर्देशन कर चुके राहुल संकृतियन ने ‘रणबाली का निर्देशन किया है। फिल्म की रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ ही इसके प्रचार अभियान में तेजी आ रही है। अब देवगन होगा कि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की यह फिल्म सिनेमाघरों में दर्शकों की उम्मीदों पर कितनी खरी उतरती है।

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले जान लें ये 5 बातें

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को अक्सर लोग जिम में शरीर बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप इसका अभ्यास बिना किसी योजना के कर दें। दरअसल, वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को शुरू करने से पहले कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। आइए आज हम आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी अहम बातें बताते हैं। वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। खासतौर से अगर आप पहले से कोई बीमारी या चोट से जूझ रहे हैं या आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा है। डॉक्टर आपकी सेहत का आकलन करके आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करने की इजाजत दे सकते हैं या नहीं। इसके अलावा डॉक्टर आपको सही आहार और एक्सरसाइज के बारे में भी बता सकते हैं। वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करते समय शरीर की मुद्रा का सही होना जरूरी है क्योंकि गलत तरीके से की गई एक्सरसाइज से चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले किसी अच्छे प्रशिक्षक से मार्गदर्शन लें। इसके अलावा आप ऑनलाइन वीडियो देखकर भी वजन उठाने वाली



एक्सरसाइज की सही तकनीक और फॉर्म को सीख सकते हैं। अगर आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी सभी तकनीक और फॉर्म सीख भी जाते हैं तो

भी आपको शुरुआत में हल्का वजन उठाना चाहिए। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इसके अलावा इससे आपको सही फॉर्म को बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही आपको अधिक वजन उठाने के कारण चोट लगने का खतरा भी नहीं रहेगा। इसके बाद ही आप धीरे-धीरे वजन बढ़ा सकते हैं। वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी है। दरअसल, जब आप अपने शरीर को गर्म करते हैं तो इससे आपके दिल की धड़कने बढ़ती है और आपकी मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं। इससे आपके शरीर में लचीलापन भी आता है और आप आसानी से वजन उठाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं। इसके अलावा वार्मअप करने से शरीर में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे शरीर में मौजूद जमी हुई चर्बी आसानी से पिघलने लगती है। वजन उठाने वाली एक्सरसाइज के दौरान शरीर को पर्याप्त पानी देना महत्वपूर्ण है। अगर आप जिम में बहुत पसीना बहा रहे हैं तो पानी के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी करें। इसके लिए आप नारियल पानी, स्पोर्ट्स ड्रिंक या फिर इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पानी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप घर पर बनाकर भी पी सकते हैं। इसके लिए पानी में थोड़ा-सा नींबू का रस और चुटकी भर नमक मिलाकर पिएं।



BRIFF NEWS

Not ruled on Form 6 yet, neither approved nor disapproved it: SC



New Delhi, Agency: The Supreme Court Monday said it is yet to test the validity of the new Form 6 used during the Special Intensive Revision (SIR) exercise for the inclusion of new voters in the poll roll and clarified that it has neither approved nor disapproved it.

A bench of CJI Surya Kant and Justices Joymalya Bagchi and V Mohana made the oral observation when a lawyer said that the Election Commission has issued a press note purporting to convey that SC had upheld Form 6 while validating SIR in Bihar.

"There is no adjudication of the new Form 6 yet. When the Bihar SIR judgement was delivered (by the SC), the new Form 6 was not in existence. The judgement does not say whether Form 6 is approved or disapproved by SC. We will examine it in the other pending matters," said Justice Bagchi, rebutting claims that SC had criticised the introduction of Form 6 at its last hearing on SIR-related issue.

CJI also disapproved of the lawyer's argument of SC's purported observation earlier that Form 6 has not been approved. "Do not pick a word or sentence from an oral observation during a hearing and cite it as precedent," it said, adding the new plea would be tagged with the pending ones on SIR.

Steelmaker to steer 440 crore revamp of 9 ITIs



New Delhi, Agency: A Rs 440-crore overhaul will put ArcelorMittal Nippon Steel India (AM/NS India) in charge of nine govt Industrial Training Institutes (ITIs) in Gujarat and Andhra. The company will hold a 51% stake in entities managing the institutes under PM-SETU.

Skill development ministry Monday signed shareholders' agreements covering five ITIs in Surat and four in Visakhapatnam. Rs 240 crore is earmarked for Surat and Rs 200 crore for Visakhapatnam. Centre and state govts will each hold 24.5% equity. SPVs will manage modernisation and operations. AM/NS India will implement the projects with New Age Makers' Institute of Technology as partner. Plans include modern workshops and laboratories, new trades, revised courses and more practical training.

PM-SETU has Rs 60,000-crore outlay and aims to upgrade 1,000 govt ITIs and strengthen five National Skill Training Institutes. Funding includes Rs 30,000 crore from Centre, Rs 20,000 crore from states and Rs 10,000 crore from industry.

Tata Power, Imperial College London Partner to Advance Clean Energy Innovation

DB Reporter

Jamshedpur : Tata Power and Imperial College London have signed a Memorandum of Understanding (MoU) to explore collaboration in research, technology development and knowledge exchange aimed at advancing next-generation energy systems and supporting India-UK net-zero ambitions. The partnership will focus on key areas of the energy transition, including grid flexibility, energy storage, artificial intelligence (AI), machine learning (ML), digital energy systems and industrial decarbonisation. It seeks to combine Tata Power's experience in developing

and operating energy infrastructure at scale with Imperial College London's research expertise in engineering, digital technologies and low-carbon solutions. The collaboration comes amid growing India-UK cooperation on clean energy and climate action. Under the India-UK Vision 2035, both countries have identified energy storage and grid transformation as important areas for joint efforts, alongside AI, renewable energy, hydrogen and carbon capture. The Vision also highlights the Net Zero Innovation Partnership as a mechanism to promote deep-tech solutions and create new markets for climate inno-

vation. UK Government Business and Trade Secretary Jonathan Reynolds said the partnership demonstrated the potential of combining British research capabilities with Indian industrial expertise. He said the collaboration could help translate innovation into cleaner, smarter energy solutions while supporting employment and economic growth in both countries. Harjinder Kang, His Majesty's Trade Commissioner for South Asia and British Deputy High Commissioner for Western India, said the initiative would bring together world-class British research and Indian industrial capabilities to accelerate energy innovation, cre-



ate commercial opportunities and promote sustainable growth. Dr Praveer Sinha, CEO and Managing Director of Tata Power, said India's energy transition increasingly required reliable and flexible grids, energy storage and integrated digital systems alongside rapid renewable energy expansion. He said the collaboration would help address practical industry challenges and

explore solutions relevant to India and the wider global energy transition. Professor Mary Ryan, Vice Provost for Research and Enterprise at Imperial College London, described Tata Power as a valuable partner because of its extensive energy expertise and ability to implement solutions at scale. She highlighted Imperial's strengths in science, engineering and business, as

well as its interdisciplinary approach to addressing complex challenges. Tata Power operates across power generation, transmission, distribution and renewable energy, while Imperial brings research capabilities spanning energy systems, engineering, digital technologies, economics and decarbonisation. The partners aim to translate research into practical applications and demonstrate solutions that could make energy systems more flexible, resilient and less carbon-intensive. The MoU also seeks to expand knowledge exchange and strengthen innovation links between India and the United Kingdom.

Delhi Police seeks extension of CAPF deployment till Oct 20 amid protest fears

New Delhi, Agency: Delhi Police on Tuesday sought an extension of the deployment of 273 companies of the Central Armed Police Forces (CAPF) in the national capital till October 20, citing the possibility of protests by the Cockroach Janta Party (CJP) and other organisations, news agency Media reported citing sources.

The deployment was scheduled to end on Monday. Police has written to the Union home ministry seeking an extension to maintain law and order and manage potential demonstrations. Police has flagged the possibility of protests at sensitive locations, including Jantar Mantar, the Election Commission, Parliament House and India Gate. Demonstrations by the Bhim Army, student groups and other political



organisations are also among the concerns.

301 CAPF companies were approved for deployment in Delhi, 221 on October 6 and another 80 on October 8. Of the additional 80 companies, 28 had not reported to Delhi Police as of Monday, the sources cited by Media said.

The request comes after protests against Chief Election

Commissioner Gyanesh Kumar over alleged irregularities in the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls.

Over the weekend, security was tightened across the capital, 45 metro stations were closed and checks intensified at Delhi's borders. Thousands of protesters, including CJP leaders and former chief ministers, were detained.

Panel to address grievances of sugarcane growers

New Delhi, Agency:

Govt Monday announced establishment of a high-level committee within a week to address the grievances of sugarcane farmers over discrepancies in sugar recovery, weight and payments. The announcement was made at a meeting chaired by agriculture minister Shivraj Singh Chouhan which was attended by farmers from Maharashtra and Karnataka.

Chouhan and food minister Pralhad Joshi held detailed discussions with a delegation of farmers from the two major cane-growing states.



About 80-90 farmers from different organisations attended, along with state ministers. The committee will comprise representatives of the Centre, Karnataka and Maharashtra govts, farmer organisations and sugar mills, besides subject-matter experts and scientists.

3.85L complaints, appeals pending with 28 information commissions

New Delhi, Agency: Over 3.85 lakh appeals and complaints were pending across 28 information commissions as of June 30 this year. Moreover, 14 commissions have an estimated waiting time of 1 year or more to dispose of a matter. These findings are part of the 'Report Card on the Performance of Information Commissions in India 2025-26' released by voluntary organisation Satark Nagrik Sangathan.

The report is primarily based on an analysis of information accessed under the RTI Act from 29 information commissions across India. Data shows 2,61,669 appeals and complaints were registered between July 1, 2025, and June 30, 2026, by 27 information commissions for which relevant



information was available. During the same period, 2,41,627 cases were disposed of by 28 commissions. The Maharashtra SIC disposed of the highest number of cases (54,985), followed by the SICs of Karnataka (38,656), Tamil Nadu (23,808), UP (21,528) and CIC (17,319). The number of appeals and complaints pending on June 30, 2025, in 29 information commissions stood at over 4.13 lakh compared to this year's figure of over 3.85 lakh for 28 commissions.

60% of 33 lakh who received SIR notices in Delhi are now verified

New Delhi, Agency: Over 60% of the 33 lakh voters who got SIR notices in Delhi have been verified after the Election Commission eased the verification process late last month.

BLOs are now visiting homes to collect documents, instead of requiring people to appear for hearings at govt offices. Also, BLO have been empowered to make corrections for minor issues, such as spelling mistakes, without seeking extensive documentation.

About 33 lakh voters, including chief minister Rekha Gupta, AAP national convener Arvind Kejriwal, external affairs minister S Jaishankar and BJP veteran LK Advani got notices in Sept.

While over 19 lakh voters were flagged for "logical discrepancies", including mismatches in names and age-related inconsistencies, nearly 14 lakh were classified as



"unmapped" because their records could not be linked to the 2002 SIR. The notices sought clarification and supporting documents to verify eligibility for inclusion in the final SIR roll, scheduled for Dec 4.

The office of the chief electoral officer of Delhi, in a post on X Monday, said: "We had started a proactive campaign to resolve these issues (discrepancies). By now around 20 lakh cases out of 33 lakh have been resolved. If any person has any grievance, please feel free to contact any of the 14,947 BLOs, 902 AEROs, 70 EROs, 13 DEOs or the CEO. No eli-

gible voter will be excluded from the voter list."

An official told Media, "The disposal of SIR notices was very slow until the third week of Sept but picked up after we introduced new measures. Nearly 15,000 BLOs have been asked to clear at least 10 notices daily. In cases involving logical discrepancies, they have been instructed to verify the voter's age, Indian citizenship and ordinary residence in the constituency. Eligible voters will not be removed merely because of logical inconsistencies in their records."

A few BLOs told Media they are using BLO declarations to verify vot-

Quit, we'll find replacement, Kerala Congress tells CJI, then deletes post

New Delhi, Agency:

Hitting out at Congress after its Kerala unit sought Chief Justice Surya Kant's resignation, BJP Monday said it is a confirmation of its charge that the party is out to destroy constitutional institutions.

Reacting to the CJI's comments to the media over the Delhi protests that law and order is not his domain, Kerala Congress said he should then quit. "We will find your replacement who can handle it," it said.

The CJI was speaking on sidelines of an NHRC event, and his



comments were seen as a reiteration of doctrine of the separation of powers among different institutions.

Kerala Congress, facing backlash, later deleted the post and removed the person responsible from his post. However, BJP said it was confirmation of their charge that the opposition party was

seeking to intimidate and destroy institutions. Union minister Kiren Rijiju said the Congress's next target is judiciary as it wants to destroy all constitutional and democratic institutions of the country. "All anti-India gangs are joining hands. All patriotic Indians will also come together. Protest is the right of every citizen but brazenly abusing constitutional authorities is deplorable. Congress is direction-less now."

In a swipe at Congress MP Rahul Gandhi, he said Congress can improve

its numbers if it has a mature and committed neta who doesn't enjoy 200 holidays in a year.

Targeting Congress, BJP MP Nishikant Dubey said, "After President, V-P, PM and CEC, Maharaja Rahul Gandhi has now demanded CJI's resignation too."

Now, he said, Rahul will be PM, Sharjeel Imam president, Priyanka Gandhi Vadra the CJI and Khalistani activist Gurpatwant Singh Pannun the CEC. India's ambassador to the US will be George Soros, Dubey added.

SC refuses to stay graft FIR linked to Punjab CMO but restrains CBI from coercive action

New Delhi, Agency: In a relief to Punjab govt, Supreme Court Monday directed that no coercive steps be taken by the CBI in a case registered in connection with corruption allegations linked to the office of Punjab chief minister Bhagwant Mann.

A bench of Justices M M Sundresh and Prasanna B Varale, however, said that it was not staying the FIR registered in the case and issued notice to the CBI on the petition filed by govt challenging the HC's direction to register the case. It also asked the state to cooperate with the investigation. The apex court's order means that the CBI can carry on with the investigation but it cannot arrest anyone without the court's approval. The CBI FIR concerns alleged corruption and influence-peddling involving Mann's officer on special duty (OSD), Rajbir Singh Ghuman, and five other named accused. The case relates to alleged bribes paid to influence govt transfers and postings, tenders, policy decisions, licencing and land-relat-



ed matters. The CBI registered the FIR on Oct 5, 2026, following a direction from the Punjab and Haryana HC. The state thereafter immediately moved SC against the HC order.

Senior advocates Vikas Singh and Siddharth Luthra, appearing for state govt, pleaded for interim relief, which was granted by the court. It also sought a response from the CBI on state govt's plea for quashing of the FIR in the case. Govt said the high court erred in passing an order for the registration of an FIR into decisions of public servants on transfers, tenders and policy without the previous approval mandated by Section 17A of the Prevention of Corruption Act.